A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 13 सितम्बर , 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 318, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

कश्मीरी जनता की सोच बताएंगे ये विधानसभा चुनाव

अशोक मधुप

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए 18 सितंबर से एक अक्टूबर 2024 तक तीन चरणों में चुनाव होने हैं। नतीजे 8 अक्टूबर 2024 को घोषित किए जाएंगे। इन चुनाव के परिणाम बताएंगे कि कश्मीर की जनता क्या चाहती है। आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बड़ी तादाद में विकास हुआ। शांति लौटी। रोज की होने वाली पत्थरबाजी से जम्मू-कश्मीर की मुक्ति मिली। सिनेमा हाल खुल गए। पर्यटक आने लगे। मुहर्रम के जुलूस निकलने लगे। कश्मीर में बहुत कुछ बदल गया है, इसके बावजूद देखना यह है कि कश्मीर का मतदाता क्या इस विकास को पसंद करता है, या उसे मजहबी कट्टरता ही मंजूर है।

जम्मू-कश्मीर में कुल 114 विधानसभा सीटें हैं लेकिन राज्य में विधानसभा सीटों के डिलिमिटेशन के बाद चुनाव केवल 90 सीटों पर ही होंगे। इसकी भी वजह है कि 24 सीटें पीओके यानि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लिए हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तनों के कारण इनमें से केवल 90 सीटों के लिए चुनाव होना तय है। वर्ष 2019 में जब जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के जरिए जब आर्टिकल 370 को हटाया गया तो राज्य में चुनावी सीटों की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू की। मार्च 2020 में एक परिसीमन आयोग की स्थापना की गई। इसकी अंतिम रिपोर्ट मई 2022 में जारी की गई। इस रिपोर्ट ने विधानसभा सीटों की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 कर दी। इसमें छह सीटें जम्मू और एक कश्मीर में बढ़ी है। 114 सीटों में 24 सीटें पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर के क्षेत्रों के लिए आरक्षित हैं। चुनाव के लिए उपलब्ध सीटों की प्रभावी संख्या 90 है, जम्मू संभाग में 43 और कश्मीर संभाग में 47, राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद यहां पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं।

राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव दस साल पहले नवंबर-दिसंबर 2014 में हुए थे। चुनाव के बाद जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई। इसमें मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद का 7 जनवरी 2016 को निधन हो गया। राज्यपाल शासन लगा फिर महबूबा मुफ्ती ने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए रूप में शपथ ली। पिछली राज्य सरकार से जून 2018 में भाजपा ने पीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में राज्यपाल शासन लागू हो गया। नवंबर 2018 में, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने राज्य विधानसभा भंग कर दी। 20 दिसंबर 2018 को राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया।

भाजपा की ओर से हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी घोषणापत्र जारी किया। इसमें आतंकवाद के सफाए और हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण से लेकर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित वापसी और पुनर्वास तक, भाजपा ने कई प्रमुख वादे किए हैं। अमित शाह ने कहा कि यह क्षेत्र में विकास, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पार्टी के वादों और योजनाओं के अनुरूप है।

नए जम्मू और कश्मीर के लिए 25 वादों में से, भाजपा ने 'जम्मू और कश्मीर को राष्ट्र के विकास और प्रगति में अग्रणी बनाने' के लिए आतंकवाद और अलगाववाद को खत्म करने की कसम खाई। कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा देने और अनुच्छेद 370 को हटाने से पहले की राजनीतिक स्थिति बहाल करने का भी वादा किया है। इस बीच नेशनल कॉन्फ्रेंस ने शंकराचार्य पहाड़ी का नाम बदलकर 'तख्त-ए-सुलेमान' और हरि पर्वत का नाम बदलकर 'कोह-ए-मरान' करने की बात कही है। इसे कश्मीर की मुस्लिम बहुल आबादी की भावनाओं को भुनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के चुनाव के विभिन्न दलों के स्थानीय नेता तो चुनाव प्रचार में उतर ही चुके हैं। बड़ी पार्टियों के राष्ट्रीय नेताओं की भी सभाएं शुरू हो गई हैं। जनसंपर्क अभियान चल रहा है। रोड शो निकाले जा रहे हैं। घर-घर जाकर नेता लोगों से वोट मांग रहे हैं। इस बार का विधानसभा चुनाव इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि कश्मीर घाटी में परिवारवादी दलों के दिन अब खत्म नजर आ रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर के बुनियादी ढांचे का इस तरह विकास किया गया है कि पिछले दिनों श्रीनगर में जी-20 देशों की बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम भी श्रीनगर में ही आयोजित किया गया। इसमें स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया।

हालात तो ये बता रहे हैं कि कश्मीर बदल रहा है किंतु जम्मू-कश्मीर की बारामुला सीट लोकसभा सीट से आतंकवादियों को फंडिग करने के आरोप में जेल में बंद निर्दलीय उम्मीदवार अब्दुल रशीद शेख़ की जीत कुछ और ही इशारा कर रही है। उन्होंने जेल में रहते हुए जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस उमर अब्दुल्ला को दो लाख से भी ज़्यादा वोटों से शिकस्त दी है। तीसरे स्थान पर रहे जम्मू-कश्मीर पीपल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन। उन्हें एक लाख 73 हज़ार वोट मिले। अब्दुल रशीद शेख़ के स्थानीय समर्थक अब्दुल माजिद इस जीत पर कहते हैं कि साल 2019 के बाद जो कुछ भी कश्मीर में हुआ, इंजीनियर रशीद की जीत उसी बात का जवाब है। नई पीढ़ी नए चेहरों को ढूंढ रही है। इंजीनियर रशीद को 'आतंकवाद की फ़ंडिंग' के आरोप में यूएपीए के तहत साल 2019 में गिरफ़्तार किया गया था और इस समय वो दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं। रशीद अवामी इत्तेहाद पार्टी के संस्थापकों में से एक हैं। 2019 में भी उन्होंने बारामूला से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था और तीसरे नंबर पर रहे थे। इस बार उन्होंने बतौर स्वतंत्र उम्मीदवार चुनाव लड़ा था। जेल जाने से पहले इंजीनियर रशीद शांतिपूर्ण तरीक़े से कश्मीर समस्या को हल करने की वकालत करते रहे हैं। रशीद को अब चुनाव प्रचार की अनुमति मिल गई है। सरकार का दावा है कि 370 हटाने के बाद कश्मीर विकास कि राह पर आगे बढ़ रहा है और जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा भी बार-बार 'नए कश्मीर' की बात कर रहे हैं। लेकिन कश्मीर में कुछ लोग इसे 'जबरन ख़ामोशी' भी कहते हैं। उनका आरोप है कि किसी को खुलकर बात करने नहीं दी जाती है।

अभी तो कश्मीर में फौज है। देखना यह है कि बिना फौज के भी कश्मीर का रूख ये ही रहता है, या वह फिर पुराने आतंकवाद के रास्ते पर लौटता है। हालांकि हम आशा करते हैं कि सब ठीक होगा। कश्मीरी नागरिक और युवा नए कश्मीर, विकसित कश्मीर को स्वीकार कर विकास का रास्ता अपनाएंगे।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

किसी के मेडल पर साइन तो किसी के सिर पर दी थपथपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत ने रिकॉर्ड कुल 29 मेडल जीते। इसमें से 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल थे। भारत ने कभी इससे पहले इतने मेडल नहीं जीते। वहीं इतिहास रचने के बाद अब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय पैरा एथलीट से मिले

● पैरालंपिक पदक विनर्स से यूं मिले पीएम मोदी, दी शाबाशी

हैं। पीएम मोदी ने एथलीट्स से बात की। उन्हें शाबाशी दी। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत की शूटर अवनि लेखरा ने 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं जब प्रधानमंत्री मोदी

उनसे मिले तो उन्होंने अवनि के सिर पर हाथ रखा और थपथपाया भी। पैरालंपिक 2024 में भारत के कपिल पारमर ने जूडो के 60 किग्रा इवेंट में देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता था। कपिल ने पैरालंपिक में भारत के लिए जूडो में पहला मेडल जीता है। वह भी पीएम मोदी से मिले। देश के प्रधानमंत्री ने उनके मेडल पर साइन भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय पैरा एथलीट से मिले और उनसे बात भी की। वह उनसे एक-एक करकर बात कर रहे थे। पेरिस पैरालंपिक 2024 के दौरान जब-जब भारतीय एथलीट मेडल जीत रहे थे। तो उनकी इस खास उपलब्धि के बाद पीएम नरेंद्र मोदी उनसे फोन कॉल पर बात कर रहे थे और उन्हें ट्विटर पर ट्वीट कर बधाई भी दे रहे थे।

सुप्रभात

नज़्म गूँगी हो गई है
गीत चुप्पी साध बैठे
मौन हैं अश'आर सारे
कौन इनको पार तारे
मैं की जिसने दिल की खिड़की
खोल दी दुनिया की जानिब
और उसके रंग देखे ढंग देखे
फूल के बदले में आते संग देखे
और तब से दिल जो पत्थर हो गया है
प्यार मरुथल में नदी सा खो गया है
वो जो भोलापन था मेरी ज़िंदगी था
या कहूँ सादा सी मेरी बंदगी था
इक समझ की उसपे काई जम गई है
ज़िंदगी बहते से जैसे थम गई है
अब अधूरे गीत रह जाते हैं मेरे
शाम हैं होते नहीं जिनके सवेरे
नज़्म भी अपनी रवानी खो चुकी है
जैसे मेरी आँख पानी खो चुकी है।

– डॉ.पूनम यादव

अब देश में जीएनएसएस दिलाएगा 'जाम' से छुटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने एक बड़ा फैसला लिया है। भारत में ग्लोबल नेवीगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) को मंजूरी दे दी गई है। इसे जीपीएस टोल और सैटेलाइट टोल के नाम से भी जाना जाता है। भारत कोई पहला देश नहीं है जहां पर जीएनएसएस आ रहा है। इससे पहले बहुत सारे देशों में ये काम कर रहा है। साथ ही इसके काम करने का तरीका

● नितिन गडकरी के एक फैसले से बदल जाएगा टोल सिस्टम

पूरी तरह अलग है। क्योंकि इससे हर देश में जाम से छुटकारा मिला है। साथ ही जहां पर भी इसे लागू किया गया है, वहां नागरिकों को भी काफी राहत मिली है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तरफ से लंबे समय से इस सिस्टम को लाने के बारे में कहा जा रहा है। इसमें कई सुविधाएं दी जाती है। सबसे बड़ी खासियत होती है कि इसमें फास्टैग की तरह आपको टोल प्लाजा पर खड़ा नहीं होना होता है। एक प्रकार से ये ऐसा सिस्टम है जहां आपको सीधा गाड़ी लेकर जानी होती है और खुद ही टोल पेमेंट आपके अकाउंट से कट जाती है। इसमें अलग से कुछ करने की जरूरत नहीं होती है। कई अन्य देशों में पहले ही ये सिस्टम वर्क कर रहा है। अब बात करें कि ये भारत में कैसे काम करेगा तो अभी तक सामने आई जानकारी से पता चलता है कि पहले ये कमर्शियल गाड़ियों के लिए ही रोल आउट किया जाएगा। यानी पहले इसकी मदद से सिर्फ कमर्शियल गाड़ियां ही चल पाएंगी। लेकिन उसके बाद इसे कारों के लिए भी लाया जाएगा। अभी फिलहाल इसे टेस्टिंग मोड में लाया जाएगा। यही वजह है कि पहले कमर्शियल गाड़ियों पर ही वर्क किया जाएगा। इसके लिए अलग से हाइवे पर लेन लाने पर भी विचार किया जा रहा है।

फास्टटेग यूजर्स को थोड़ा ज्यादा फीस देनी होगी

फास्टटेग की फीस 200-300 रुपए होती थी लेकिन इसकी स्थिति बिल्कुल अलग हो गई है। ये थोड़ा महंगा सिस्टम होने वाला है। इसका इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा होगा और टेक्नोलॉजी भी बिल्कुल अलग है। रिपोर्ट्स की मानें तो इसके लिए यूजर्स से 4 हजार रुपए तक वसूल किए जा सकते हैं। यानी यूजर्स को थोड़ा ज्यादा फीस देनी होगी, लेकिन इसके फायदे भी बहुत ज्यादा होने वाले हैं।

बाढ़ के हालातों को देख अफसरों की छुट्टी पर रोक

● मुख्यमंत्री ने बुलाई आपात बैठक, कहा– जहां जरूरत हो, वहां हेलिकॉप्टर से करें एयरलिफ्ट ● लोगों की जीवन रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें ● मुख्यमंत्री ने दिए अतिवर्षा और बाढ़ से मृत्यु पर 4–4 लाख रूपए की सहायता देने के निर्देश ● फसलों के नुकसान और पशुहानि का आकलन कर यथाशीघ्र राहत राशि की जाए वितरित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 30 सितम्बर तक वर्षा की संभावना है। अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अधिकारी-कर्मचारी छुट्टी पर नहीं जाएं। अतिवर्षा के बावजूद भी जनजीवन सामान्य रहे, इसके लिए स्वच्छ पेयजल, दवाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में अति वर्षा से निर्मित स्थिति और बचाव के लिए समत्व भवन में ली गई आपात बैठक में उक्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिलों की स्थिति की

समय रहते आवश्यक सावधानियां बरतते हुए बचाव के कार्य किए जाएं। लोगों के जीवन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जनहानि के लिए संबंधित अधिकारी को जिम्मेदार माना जाएगा। अतिवर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षा व सुविधा प्रदान करने के लिए राहत शिविर लगाएं और इसमें सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी सहयोग लिया जाएं। बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का आँकलन और पशु हानि की जानकारी भी यथाशीघ्र लेना आरंभ किया जाए। राहत राशि के वितरण में विलंब न हो, बाढ़ और अतिवृष्टि से पीड़ितों को राहत के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध है। राहत शिविरों में समीक्षा की। वी.सी. में समस्त संभागीय आयुक्त, आईजी, कमिश्नर आफ पुलिस, जिला कलेक्टर, एसपी जुडें।

निचली बस्तियों में रहने वालों को समय रहते सतर्क किया जाए– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि वर्षा का चक्र बदलने के कारण सितंबर माह में जितनी वर्ष होनी चाहिए उससे अधिक हो रही है। निचली बस्तियों में रहने वालों को समय रहते सतर्क किया जाए और आवश्यकता अनुसार उन्हें राहत शिविरों में शिफ्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन रपटों और पुलों पर पानी है, वहाँ तत्काल आवश्यक सावधानी व सतर्कता बढ़ाई जाए।

वरिष्ठ सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी का निधन

निमोनिया की वजह से दिल्ली एम्स में थे भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। निमोनिया की शिकायत होने के बाद उन्हें 19 अगस्त को एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। 25 दिन से उनका

इलाज चल रहा था। परिवार ने अस्पताल को सीपीएम नेता की बॉडी डोनेट की है। वे तीन बार पार्टी के महासचिव रहे थे। वहीं, सीपीएम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि 'कॉमरेड सीताराम येचुरी को सांस की नली में गंभीर संक्रमण हुआ था। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी। सीताराम येचुरी अपने पीछे पत्नी सीमा चिश्ती येचुरी और बच्चों अखिला और आशीष येचुरी को छोड़ गए हैं। सीताराम येचुरी ने छात्र जीवन से ही राजनीति शुरू की थी और वह जेएनयू छात्र संघ का हिस्सा रहे थे। आपातकाल के दौर में जेल जाने से उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी।

सीजन की पहली बर्फबारी, सफेदी से ढक गई चोटियां

उत्तराखंड के पहाड़ों पर अभी से लौट आया है हिमयुग

देहरादून (एजेंसी)। मौसम विभाग का पूर्वानुमान सही साबित हुआ। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पिछले 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश के साथ ही ऊंची चोटियों पर सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। सितंबर माह में हुई पहली बर्फबारी से मौसम ठंडा और शुष्क हो गया है। यह बर्फबारी भारत-चीन सीमा के साथ बद्रीनाथ धाम हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी की ऊंची चोटियों पर हुई। हिमपात के बाद चोटियां सफेद बर्फ की चादर से ढंक गई हैं। निचले इलाकों में भी सर्द हवाएं चलने लगी हैं। पहाड़ों पर पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विदा होते मॉनसून के साथ अचानक बढी ठंड के कारण लोग अपने घरों में दुबक गए हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग जगह-जगह बंद हो गया है। जोशीमठ मलारी नीति मोटर मार्ग लाता के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर आने के कारण बंद हो गया है। नंदप्रयाग में लगातार हो रहे भूस्खलन के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग बंद है। बार-बार सड़क बंद होने के कारण तीर्थ यात्रियों को भी दिक्कत हो रही है। यात्रियों के वाहन घंटों तक लंबे जाम में फंस रहे हैं।

कोलकाता रेप–मर्डर केस, ममता बोलीं– मैं इस्तीफा देने को तैयार

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार शाम कहा कि आज मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का दो घंटे इंतजार किया, लेकिन वे बातचीत के लिए तैयार नहीं हुए। मैं उन लोगों से माफी मांगना चाहती हूं जिन्हें लगा था कि आज डॉक्टरों और सरकार के बीच बैठक होगी और इस आंदोलन का हल निकलेगा। लोगों की खुशी के लिए मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं।उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैं भी आरजी कर मेडिकल कॉलेज के रेप-मर्डर केस में न्याय चाहती हूं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 13 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कोलकाता रेप-मर्डर केस, सीएम ममता बोलीं

मैं इस्तीफा देने को तैयार

- प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स के खिलाफ एक्शन नहीं लूंगी, बड़े होने के नाते उन्हें माफ किया

कोलकाता (एजेंसी)। नबन्ना सेक्रेट्रिएट के मीटिंग रूम में जूनियर डॉक्टर्स का इंतजार करतीं ममता बनर्जी। ये वीडियो टीएमसी ने शेयर किया है।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार शाम कहा कि आज मैंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का दो घंटे इंतजार किया, लेकिन वे बातचीत के लिए तैयार नहीं हुए। मैं उन लोगों से माफी मांगना चाहती हूं जिन्हें लगा था कि आज डॉक्टरों और सरकार के बीच बैठक होगी और इस आंदोलन का हल निकलेगा। लोगों

की खुशी के लिए मैं इस्तीफा देने को तैयार हूं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैं भी आरजी कर मेडिकल कॉलेज के रेप-मर्डर केस में न्याय चाहती हूं। जूनियर डॉक्टर्स के काम रोक देने के चलते 27 लोगों की जान गई है, 7 लाख मरीजों की हालत खराब है। इसके बावजूद मैं डॉक्टर्स के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लूंगी, बड़े होने के नाते मैंने उन्हें माफ किया।

दरअसल, बंगाल में धरना दे रहे जूनियर डॉक्टर्स को ममता सरकार ने शाम 5 बजे मुलाकात के लिए बुलाया था। डॉक्टर्स नबन्ना पहुंचे, लेकिन मीटिंग का लाइव टेलीकास्ट कराने की शर्त पर अड़े रहे, जबकि सरकार इसके लिए नहीं मानी। पिछले 3 दिनों में सरकार की ओर से डॉक्टरों के साथ बातचीत की यह तीसरी पहल थी। डॉक्टर्स ने पिछले दो प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। उनकी 5 मांगें हैं। उन्होंने इस पर बातचीत के लिए 4 शर्तें रखी हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टर्स 34 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं।

चुनाव से पहले कश्मीर को फिर दहलाने की थी साजिश

एलओसी के पास से हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त

कुपवाड़ा (एजेंसी)। सुरक्षाबलों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कुपवाड़ा के केरन सेक्टर के एक जंगल हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त किया है। सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भी भंडाफोड़ किया है और हथियारों और गोला-बारूद का बरामद किए हैं। सूत्रों के मुताबिक इन गोला-बारूद का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले डर और दहशत पैदा करना था। इससे पहले खास खुफिया सूचनाओं के आधार पर केरन सेक्टर में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इंडिया टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह खुफिया जानकारी श्रीनगर में तैनात विशेष चुनाव पर्यवेक्षक और खुफिया टीमों ने दी थी जिसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी दल को एक पेड़ के पास 10 फीट की एक बड़ी गुफा मिली जहां आतंकवादियों ने हथियार, गोला-बारूद और हथियार जमा किए थे।

हालात बेहद खराब,एमपी के 6 जिलों में बाढ़

बाढ़ और बारिश से घिरे एमपी और यूपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बने स्ट्रॉन्ग सिस्टम के चलते मध्य और उत्तर भारत में बुधवार को भारी बारिश हुई। कई शहरों में बाढ़ है तो कई जिलों का सड़क संपर्क टूट गया है। नदियों

- दतिया में 7 लोगों की मौत,स्कूलों में की छुट्टी
- राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 'जल' जला, घिरे

के किनारे बसे गांवों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा है। मध्य प्रदेश के 28 जिलों में बुधवार को तेज बरसात हुई। ग्वालियर में 24 घंटे में 8 इंच और भोपाल में ढाई इंच बरसात हुई। दतिया में 400 साल पुराने किले की दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। भोपाल में 5वीं, राजगढ़, सागर, गुना, शिवपुरी, मुरैना और भिंड में 8वीं तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान में सुजान गंगा नदी ओवरफ्लो होने से कोटा और भरतपुर में बाढ़ के हालात बन गए हैं। गुरुवार को जयपुर, अजमेर, उदयपुर समेत 7 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। अजमेर, धौलपुर सवाई माधोपुर जिले में गुरुवार को स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। छत्तीसगढ़ के सुकमा-बीजापुर से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का संपर्क कटा हुआ है। राजनांदगांव में शिवनाथ नदी का पानी 11 गांवों में घुस गया है। यहां 30 साल बाद बाढ़ आई है। राजनांदगांव, खैरागढ़ में सैकड़ों लोगों को राहत कैंपों में शिफ्ट किया गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ-झांसी समेत यूपी के 10 जिलों में बारिश जारी है। झांसी-जालौन में 36 घंटे से जारी बारिश की वजह से घरों में पानी भर गया। एटा, झांसी, ललितपुर, आगरा, कन्नौज, इटावा, जालौन और हाथरस में 12वीं तक के स्कूलों में गुरुवार को छुट्टी कर दी गई है। मौसम विभाग ने गुरुवार को 12 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 8 जिलों में रेड अलर्ट है।

मस्जिद का अवैध हिस्सा खुद गिराने को राजी हुए मुस्लिम

शिमला (एजेंसी)। शिमला मस्जिद विवाद मामले में नया मोड़ आ गया है। मुस्लिम पक्ष विवादित मस्जिद का अवैध हिस्सा तोड़ने को राजी हो गया है। मुस्लिम पैनल ने नगर निगम से अवैध हिस्से को सील करने को कहा है। पैनल ने कहा कि वह

- शिमला मस्जिद विवाद में नया मोड़,बुलडोजर ऐक्शन पर अड़े थे हिंदू

खुद ही उस हिस्से को गिरा देगा। मस्जिद समिति के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को शिमला नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र कुमार अत्री को इस बारे में एक ज्ञापन सौंप दिया। साथ ही नगर निगम से संजौली में इमारत के अनधिकृत हिस्से को सील करने की गुजारिश की। मुस्लिम पक्ष ने यह भी कहा कि वे खुद उस हिस्से को गिरा देंगे। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है जब स्थानीय लोग शिमला के संजौली इलाके में

बनी मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराने की मांग कर रहे हैं। इस मामले को लेकर बुधवार को काफी हंगामा देखा गया था। जय श्री राम और हिंदू एकता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जमा होकर प्रशासन की चेतावनियों और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए संजौली बाजार की ओर कूच किया था। आखिरकार बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों की भीड़ इलाके में पहुंची थी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर से लगाए बैरिकेड तोड़ दिए थे और पथराव किया था। वहीं पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें और लाठीचार्ज किया था। इस घटना में पुलिस और महिलाओं समेत करीब 10 लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन पर काबू पाने के लिए हिंदू जागरण मंच के सचिव कमल गौतम सहित कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया था।

प्रदर्शन इतना उग्र था कि झड़प के कारण संजौली, ढली और आस-पास के इलाकों के छात्र स्कूलों में ही काफी देर तक फंसे रह गए थे। प्रदर्शन की जानकारी होने के बावजूद स्कूलों को बंद रखने का आदेश नहीं जारी करने पर स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर गुस्सा भी जाहिर किया था। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा था कि उन्होंने इस मसले पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला से बात की है। दोनों नेता कानून व्यवस्था कायम बिगड़ने ना पाए इसको लेकर चिंतित हैं। सूबे की सरकार भी इसको लेकर गंभीर है। राज्य सरकार सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

चश्मे बिना पढ़ने में मदद करने वाले आईड्रॉप पर रोक

- डीसीजीआई ने कहा-प्रिस्क्रिप्शन के साथ दवा बेचने की मंजूरी थी, कंपनी ने गलत प्रचार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने बुधवार को प्रेस्वू नाम के आई ड्रॉप की मैन्यूफैक्चरिंग और मार्केटिंग लाइसेंस को रद्द कर दिया है। इस आई ड्रॉप को मुंबई स्थित दवा निर्माता कंपनी एंटोड फार्मास्युटिकल्स ने बनाया था। कंपनी का दावा था कि यह प्रेसबायोपिया (बढ़ती उम्र के बाद नजदीक की नजर कमजोर हो जाना) से पीड़ित लोगों को फायदा पहुंचाती है।

सरकार के 100 दिन पूरे होने पर आक्रामक हुए खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर तीखा हमला किया है। कांग्रेस ने कहा

- सरकार को घेरा, पीएम मोदी से पूछा- उन वादों का क्या हुआ

है कि वह अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 95 दिनों में अपने 100 दिनों के एजेंडे के वादों को पूरा करने में पूरी तरह फेल रहे हैं। पार्टी ने सात प्रमुख

क्षेत्रों का जिक्र करते हुए दावा किया कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर आर्थिक मुद्दों और शासन संबंधी खामियों से निपटने में हर क्षेत्र में नाकामयाब रही है। गौरतलब है कि 17 सितंबर को सरकार के 100 दिन पूरे हो जाएंगे। इसी दिन पीएम मोदी का 74वां जन्मदिन भी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बीते दिनों जम्मू और कश्मीर में खास तौर से जम्मू में आतंकवादी हमले हुए हैं जहां भारतीय सेना के कई बहादुर सैनिक शहीद हुए।

'एक्सप्रेसवे, पुल, सड़कें, सुरंगें, जो बनवाया टूट गया'

खड़गे ने कहा,महाराष्ट्र में पूज्य छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हो, हवाई अड्डों की छत हो, नई संसद हो या अयोध्या में भगवान राम का मंदिर हो, एक्सप्रेसवे, पुल, सड़कें, सुरंगें हों आपने जो भी बनाने का दावा किया है उन सभी में खामियां हैं। उन्होंने आगे सरकार पर रेलवे सुरक्षा को खतरे में डालने और बाढ़ से प्रभावित राज्यों को पर्याप्त राहत प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

'तख्तापलट कराने में माहिर' रहे अमरीकी राजनयिक से मिले राहुल

- यूएस बोला-सामान्य बातचीत, भारत में भूचाल के बन रहे आसार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं और वहां लगातार कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं तो कुछ लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं। इस दौरान उनकी कुछ मुलाकातें विवादों का सबब भी बनी हैं। इनमें से ही एक मुलाकात जम्मू-कश्मीर और पंजाब को भारत से अलग करने की हिमायती सांसद इल्हान उमर से भी रही है, जिस पर जमकर विवाद हुआ। अब उनकी एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक से मुलाकात चर्चा में है, जिन्हें तख्तापलट कराने का माहिर माना जाता है। उनकी अमेरिकी विदेश मंत्रालय में तैनात दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों को देखने वाले राजनयिक डोनाल्ड लू से मीटिंग हुई है।

भाजपा बोली-अब तो खुलकर भारत के खिलाफ आई कांग्रेस

हालांकि इन मुलाकातों का भी कोई वीडियो कांग्रेस की ओर से जारी नहीं किया गया। राहुल गांधी की मुलाकात इल्हान उमर से भी हुई थी, जो भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित हैं। इल्हान उमर ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी दौरा किया था, जबकि भारत ने इस पर ऐतराज जताया था। यही नहीं इल्हान उमर की राय रही है कि कश्मीर को अलग हो जाना चाहिए। भाजपा आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने इल्हान उमर से राहुल की मुलाकात पर कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में पाक स्पॉन्सर भारत विरोधी नेता, कट्टर इस्लामिक और आजाद कश्मीर की वकालत करने वाली इल्हान उमर से मुलाकात की है।

बच्चों की शिक्षा के लिए मदरसा सही जगह नहीं

- इस्लाम को बताता है सर्वोच्च,बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने एससी को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मदरसों को लेकर एक मामले की सुनवाई हो रही है। इस दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मदरसों में दी जाने वाली शिक्षा व्यापक नहीं है। यह शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। एनसीपीआर ने कहा कि मदरसों में जो पढ़ाई होती है उसमें इस्लाम को ही सर्वोच्च बताया जाता है। एनसीपीसीआर ने यह भी दावा किया कि तालिबान उत्तर प्रदेश के दारुल उलूम देवबंद मदरसा की धार्मिक और राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित है। अदालत को लिखित रूप से यह दलील दी है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है।

अयोध्या में जमीनों की लूट, यूपी बनी फर्जी एनकाउंटर की राजधानी

लखनऊ (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। अखिलेश ने कहा कि अयोध्या में जमीनों की लूट मची है। अयोध्या को लेकर हम पहले भी मुद्दे उठाए। सरकार के अधिकारी और भाजपा के

- अखिलेश का बीजेपी पर बड़ा आरोप, मंगेश यादव एनकाउंटर पर घेरा

लोग लूट में लग गए है, जहां लूट होगी वहां विकास नहीं होगा। हमारे अयोध्या के नेताओं ने लूट का काला चिट्ठा खोला, अब सोचिए पूरे प्रदेश में कितनी लूट हो रही होगी। अयोध्या के किसानों की मांग थी सर्किल रेट बढ़ाया जाय, इन्होंने किसानों से सस्ते दामो में जमीनें ले ली,अब सर्किल रेट बढ़ा दी गई। वहीं मंगेश एनकाउंटर पर कहा कि सरकार ने यूपी को फर्जी एनकाउंटर की राजधानी बना दी। उन्होंने कहा कि सरकार के नेताओं और अधिकारियों की सूची और रजिस्ट्रियां हमारे पास हैं, इन्होंने सेना की जमीन पर कब्जा कर लिया, जिस डिफेंस की ओर कोई नहीं देखता, उस जमीनों को इन्होंने बेंच दिया। अपनी सुविधा के लिए रेलवे अलाइनमेंट बदल दिया,अपनी हार की खीज में इन्होंने रेलवे अलाइनमेंट बदल दी। जिन्होंने करप्शन पे ज़ीरो टॉलरेंस का नारा दिया था,वो कहां हैं, अयोध्या में लूट का अड्डा बना दिया। समाजवादी पार्टी गरीबों के साथ हैं। अयोध्या एक वर्ल्ड क्लास सिटी बने,इसके लिए दिमाग होनी चाहिए, 2 साल बाद जब समाजवादी सरकार आएगी तो उन्हें सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा दिया जाएगा।

अब चीन की गोद में जा रहा भारत का मुस्लिम दोस्त देश

- कर्ज का जाल बने ड्रैगन के बीआरआई प्रोजेक्ट पर लगाएगा दांव

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान से लेकर अफ्रीका तक के देशों को कर्ज के जाल में फंसाने वाले चीन के बेल्ट एंड रोड प्राजेक्ट के जाल में अब एक और देश फंसने जा रहा है। भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार संयुक्त अरब अमीरात चीन के बेल्ट एंड रोड प्रॉजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि सऊदी अरब समेत खाड़ी के अन्य देशों की तरह से यूएई भी चीन के करीब बढ़ता दिख रहा है।

इंदौर में आर्मी अफसरों से मारपीट

दोस्त से गैंगरेप!,बंधक बनाकर 10 लाख मांगे, 6 आरोपी थे, 2 गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में सेना के 2 ट्रेनी अफसरों और उनकी दोस्त से मारपीट करने, बंधक बनाने और गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि घटना 10 सितंबर रात करीब ढाई बजे की है, जब अफसर इंदौर के जामगेट घूमने गए थे।

पुलिस ने गुरुवार को कहा कि सभी 6 आरोपियों की पहचान हो चुकी है और 2 को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने अफसरों से 10 लाख रुपए भी मांगे। अफसर की दोस्त को दूर झाड़ियों में ले गए। पीड़ित अफसर ने गैंगरेप की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने गैंगरेप, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर लिया है।

एसपी ग्रामीण हितिका वासल ने कहा, अस्पताल में भर्ती विक्टिम के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। उसका मेडिकल कराया गया है। बयान के आधार पर केस की धाराएं अपडेट की जाएंगी।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल

गांधी ने घटना पर दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर नकारात्मक रवैया चिंताजनक है।

एक आरोपी पर मर्डर का केस- एसपी ने कहा कि फरार 4 आरोपियों की भी पहचान हो गई है। उनको तलाशने के लिए 10 थानों को अलर्ट किया गया है। सभी आरोपी इंदौर के मानपुर, बडगौंदा के रहने वाले हैं। दो का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। एक पर 2016 में मर्डर का केस भी दर्ज हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, आर्मी के दो ट्रेनी अफसर जामगेट इलाके में मंगलवार रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच घूमने गए थे। उनके साथ 2 दोस्त भी थीं। इसी बीच आरोपी भी वहां पहुंच गए। उन्होंने पहले चारों को पीटा। फिर 10 लाख रुपए की मांग की। दो को बंधक बनाकर बाकी दो साथियों को रुपए लेने भेज दिया।

आर्मी अफसर ने घाट से ऊपर आकर अपने कमांडेंट को सूचना दी। आर्मी ने महू पुलिस और ग्रामीण एसपी को वारदात की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तब तक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पुलिस ने घायल आर्मी अफसर और महिला मित्र का रेस्क्यू किया। चारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत नाजुक होने की वजह से बयान दर्ज नहीं कराए जा सके हैं।

गैंगरेप पर पुलिस के 3 बयान...

बुधवार रात 9 बजे : गैंगरेप की शिकायत हुई है

बुधवार रात 9 बजे ग्रामीण डीआईजी निमिष अग्रवाल ने घटना के दौरान महिला से गैंगरेप की पुष्टि कर दी थी। उन्होंने कहा था कि अफसरों के साथ जो महिला थी, उसके साथ रेप जैसे गंभीर अपराध को अंजाम दिया गया है।

बुधवार रात 10 बजे पीड़ित ने रेप की बात नकारी

डीआईजी अग्रवाल के बयान के बाद एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी ने बुधवार रात 10 बजे कहा कि महिला ने रेप की बात नकार दी है। उन्होंने कहा कि महिला ऐसी किसी घटना से मना कर रही है।

गुरुवार सुबह संदेह के आधार पर रेप का केस दर्ज

ग्रामीण एसपी हितिका वासल ने गुरुवार सुबह कहा कि लूट, डकैती, मारपीट, जबरन वसूली का केस दर्ज किया है। फरियादी आर्मी अफसर के बयान के आधार पर रेप का केस भी दर्ज किया गया है, क्योंकि उसने इस बात की आशंका जताई थी।

जगन्नाथ धाम में विराजे लालबाग के राजा

दर्शन के लिए लग रहा भक्तों का तांता, शनिवार को होगा सुंदरकांड का पाठ

इंदौर (एजेंसी)। जयरामपुर कालोनी में संस्था सिद्धि विनायक मित्र मंडल गणेशोत्सव बड़े ही धूमधाम से मना रहा है। मंडल के जय राजदेव ने बताया कि जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई है, जिसमें लालबाग के राजा के रूप में गणेशजी विराजमान है। हर वर्ष की तरह यहां पर कई आयोजन किए जा रहे। गुरुवार को खाटू श्याम की भजन संध्या का आयोजन किया गया है। वहीं शुक्रवार को भगवान झूलेलाल का बेहराणा है। शनिवार को सुंदरकांड का पाठ का आयोजन होगा। सोमवार को महाआरती के साथ महाप्रसादी का वितरण भी किया जाएगा। 15 दिनों की मेहनत से महाराष्ट्र के कलाकारों ने बेहतरीन कलाकारी कर बनाई गई जगन्नाथ धाम की प्रतिकृति को गणेश भक्तों ने खूब सराहा। दूर-दूर से लोग भगवान के दर्शन के लिए आ रहे है।

इंदौर के गीता नगर एक्सटेंशन में गणेशोत्सव

संगीतमय आरती, भजन-कीर्तन और युवाओं-बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताओं की धूम

इंदौर (एजेंसी)। धार रोड सिरपुर स्थित गीता नगर एक्सटेंशन में गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। एकता ग्रुप नवयुवक गरबा मंडल द्वारा 30 सालों से गणेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन संगीतमय आरती की जा रही है। प्रतिदिन सुबह-शाम आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जा रहा है। युवाओं और बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आकर्षण का केंद्र हैं। महिलाएं आरती के बाद भजन-कीर्तन कर रही हैं। राजकुमार चौहान, हिमांशु मालवीय, नीलेश राठौर, आकाश सोनी आदि व्यवस्था में लगे हैं।

इंदौर में 61 साल के मकान मालिक पर केस

2 माह से नौकरानी से कर रहे थे छेड़छाड़

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के विंध्याचल नगर में एक बंगले पर काम करने वाली 38 साल की महिला के साथ उसके 61 साल के बुजुर्ग मालिक ने छेड़छाड़ और गंदी हरकतें की। पीड़िता ने परेशान होकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। इसके बाद पुलिस ने मामले में जांच कर बुजुर्ग मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मल्हारगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 38 साल की महिला की शिकायत पर उसके मकान मालिक राजेन्द्र जैन के खिलाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया है कि वह 10 जून से राजेन्द्र जैन के यहां काम कर रही है। 24 जून तक यहां सब ठीक रहा। 25 जून को जब किचन में वह खाना बना रही थी। तब राजेन्द्र जैन आए और पीछे से पकड़ लिया। तब अंकल से कहा कि यह आप क्या कर रहे हैं। तब वह कहने लगे कि तुम्हारा भी पति नहीं है। इसके बाद जबरन हरकत की। फिर उनकी हरकतें बढ़ती गई। उन्हें समझाया कि मैं उस तरह की महिला नहीं हूं। लेकिन राजेन्द्र नहीं माने 8 सितंबर को खाना बनाने के दौरान फिर से राजेन्द्र पीछे से आए और पकड़ लिया। गाल और शरीर पर बैड टच किया। उनकी हरकत से परेशान होकर घर चली गई। बाद में मां को पूरी घटना बताई। काम पर जाना बंद कर दिया। इसके बाद परिवार से बात कर थाने पहुंची और केस दर्ज कराया।

वर्ग विशेष के युवक ने कॉल सेंटर कर्मी युवती से की मारपीट- छत्रीपुरा में एक कॉल सेंटर में काम करने वाली युवती के साथ एक वर्ग विशेष के लड़के ने मारपीट की। युवती ने मामले में केस दर्ज कराया है। छत्रीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक हवा बंगला में कॉल सेंटर पर काम करने वाली युवती शाम को अपने घर जा रही थी। गंगवाल बस स्टैंड के पास रेहान खान ने उसे रोका। इसके बाद उसने जाति सूचक शब्द कहे। वही अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगा। रोकने पर उसने युवती को थप्पड़ मार दिया।

एप डाउनलोड करवाकर ठगे 4 करोड़ 85 लाख

शेयर मार्केट में चार गुना मुनाफा देने के नाम पर अलग-अलग खातों में डलवाए रुपए

इंदौर (एजेंसी)। शेयर मार्केट में चार गुना मुनाफा देने का भरोसा दिलाकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने के मामले में दो लोगों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों ने एप के माध्यम से शेयर में मार्केट में रुपए लगवाए। जब उस एप से रुपए निकालने की बारी आई तो फोन नंबर बंद कर भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद साइबर टीम ने मामले की जांच शुरू कर कुछ संदिग्धों की जानकारी निकाली है।

क्राइम ब्रांच ने महेश थाहिरानी की शिकायत पर दो मोबाइल नंबर के धारकों और एक अकाउंटेंट के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। महेश थाहिरानी ने मंगलवार को इस मामले में क्राइम ब्रांच में आकर शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन एप के माध्यम से शेयर बाजार में चार गुना लाभ देने का दावा कर आरोपियों ने 4 करोड़ 85 लाख से ज्यादा की धोखाधड़ी की है।

एक लिंक से जुड़ने की आई थी रिक्वेस्ट, फिर उलझते ही चले गए- महेश को एड होने के रिक्वेस्ट लिंक भेजी गई थी। जिस पर क्लिक करते ही वह वॉट्सऐप ग्रुप पर एड हो गए। इस ग्रुप पर दो मोबाइल धारक एडमिन थे। इस ग्रुप में शेयर ट्रेडिंग संबंधी मैसेज आते थे।

ग्रुप में काफी मेंबर इन मैसेज को लेकर रिप्लाय करते ओर बताते रहते कि उन्हें प्रौफिट हुआ है। इसे लेकर उन्हें भी इसमें इंटरेस्ट आया। ग्रुप के नंबर वाले व्यक्तियों पर विश्वास पर चैटिंग शुरू की। इसके बाद मोबाइल नंबर पर बात की। उन्होंने ट्रेडिंग के बारे में बताया।

एप डाउनलोड कर करवाई ट्रेडिंग

महेश ने क्राइम ब्रांच को बताया कि बात करने वाले एडमिन ने उन्हें Mstock Ma& एप के माध्यम से ट्रेडिंग करने की बात की। विश्वास में लेने के बाद एक लिंक भेजी गई। जिससे महेश ने अपने मोबाइल में एप डाउनलोड कर लिया। इसके बाद आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाइल नंबर से आईडी और पासवर्ड दिया गया।

इसके बाद ग्रुप एडमिन ने बताया कि अगर वह ट्रेडिंग करना चाहते हैं तो अकाउंटेंट रवि से संपर्क करना पड़ेगा। अकाउंटेंट से बात करने के बाद 21 अगस्त को 10 हजार का ट्रांजैक्शन किया। फिर 23 को 5 लाख रुपए डाले। इसका प्रॉफिट Mstock Ma& एप पर दिखा। इसलिए एप के माध्यम से बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अंकाउट में 3 करोड़ 60 लाख 60 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। रवि द्वारा बताए गए निर्मल अर्बन को ऑपरेटिव बैंक नागपुर शाखा में 1 करोड़ 5 लाख और 20 लाख के दो ट्रांजेक्शन किये।

झांकियों को तय समय पर ही निकलना होगा

इंदौर में अनंत चतुर्दशी की झांकी में ब्रेथ एनालाइजर से होगी जांच

झांकी में डीजे पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा

इंदौर (एजेंसी)। अनंत चतुर्दशी पर चल समारोह के दौरान निकलने वाली झांकियों और अखाड़ा संचालकों की कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा बैठक ली गई। बताया गया कि चल समारोह में नशा कर शामिल होने पर कार्रवाई की जाएगी। ब्रेथ एनालाइजर से नशा करने वाले लोगों की जांच की जाएगी। डीजे पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा और अनुमति प्राप्त बैंड ही शामिल हो सकेंगे।

झांकियों के निकलने का क्रम पूर्वानुसार परंपरागत रहेगा। नई झांकी को शामिल नहीं किया जाएगा। कलेक्टर कार्यालय में बुधवार को झांकी संचालकों व अखाड़ा संचालकों की बैठक हुई।

इसमें अनुपस्थित रहने पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री मनोज सक्सेना को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। विभागीय जांच के निर्देश भी दिए गए।

इस रास्ते से निकलेगी झांकी- चल समारोह मिल क्षेत्र से प्रारंभ होकर मजदूर मैदान, भंडारी मिल, श्रम शिविर, देवी अहिल्या मार्ग, एमजी रोड, कृष्णपुरा, नंदलालपुरा, जवाहर मार्ग, नृसिंह बाजार, गौराकुंड, खजूरी बाजार से राजवाड़ा होकर गुजरेगा।

यदि निर्धारित झांकी समय से बाहर नहीं आती है तो, अगली झांकी को आगे बढ़ा देंगे। अखाड़ों में अप्रशिक्षित को शामिल नहीं करें। प्रत्येक अखाड़े के साथ एक बैलगाड़ी एवं ठेला गाड़ी ही शामिल हो सकेगी। हाथी, ऊंट आदि की अनुमति नहीं होगी। सदस्य अखाड़े का नाम अंकित की हुई बनियान, पोशाक, बैज पहनेंगे ताकि उन्हें पहचाना जा सके।

इंदौर में अनंत चतुर्दशी के दिन झांकी की परंपरा बहुत पुरानी है। शहर में कपड़ा मिल के समय से इन्हें निकाला जा रहा है। आज भी यह परंपरा जारी है। इस दौरान पूरी रात शहर का राजवाड़ा सहित झांकी मार्ग रोशनी से जगमगा उठता है।

खेत में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

एक दिन पहले भी की थी आत्महत्या की कोशिश पर लोगों ने बचा लिया

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कनाड़िया में रहने वाले एक लड़के का शव घर के पास खेत में पेड़ पर टंगा मिला। उसने शाम को भी अपनी जान देने की कोशिश की। तब लोगों ने उसे बचा लिया। बाद में उसका शव गुरुवार को फंदे पर लटके मिला। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम संजय पुत्र केसर निवासी बेगम खेड़ी है। उसका शव एक पेड़ पर लटका मिला। बताया जाता है कि इलाके में उसने बुधवार को भी सुसाइड का प्रयास किया था। जब लोगों ने उसे बचाकर डायल 100 को सूचना की थी। पुलिस अब आगे की जांच कर रही है।

युवक को नींद में आया हार्ट अटैक

जीजा ने यूट्यूब पर देखकर सीपीआर दिया पर नहीं बची जान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के विजय नगर में एक होटल कर्मचारी की रात में तबीयत बिगड़ गई। उसे नींद में हार्ट अटैक आया। पास में सो रहे जीजा ने उसे तड़पता देख परिवार को उठाया। फिर यूट्यूब पर देखकर सीपीआर दी। एंबुलेंस को कॉल कर रास्ता देखते रहे। 20 मिनट बाद एंबुलेंस पहुंची। तत्काल अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विजय नगर पुलिस के मुताबिक हरवीर (40) पुत्र नत्थाराम जाटव निवासी सोलंकी नगर की रात 3 बजे मौत हो गई। जीजा विजय ने बताया कि रात को वह नींद में तड़प रहा था। उनकी नींद खुली तो देखा। इसके बाद पानी पिलाने की कोशिश की तो पानी नहीं पिया। बाद में नजदीक के कमरे से परिवार को उठाया। हार्ट अटैक की आशंका के चलते उन्होंने यूट्यूब पर देखकर सीपीआर दी। परिवार के दूसरे सदस्य ने एंबुलेंस को कॉल कर दिया। कुछ देर बाद आई एंबुलेंस से हरवीर को एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टरों ने उसे प्रारंभिक जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जीजा विजय के मुताबिक वह एक होटल में काम करता था। हरवीर ने दो शादियां की थी। दोनों पत्नी को वह छोड़ चुका था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में सुबह से मौसम था साफ

3 डिग्री तक गिरा दिन का पारा ; बारिश के सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम से बदला मौसम

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में गुरुवार सुबह से मौसम साफ रहा। कई इलाकों में कुछ समय के लिए बादल छाए और रिमझिम हुई लेकिन फिर जल्द ही तेज हवाएं चलने लगी। वहीं बुधवार को कई इलाकों में अलग-अलग समय पर तेज बारिश हुई। सुबह 11 बजे से बादल छाने के साथ रिमझिम और हल्की बारिश का दौर जारी रहा। दोपहर करीब 2 बजे शहर के मध्य इलाके में आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। इसके बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकल आई। बारिश की वजह से दिन के तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई और मौसम में ठंडक घुल गई।

दरअसल मध्यप्रदेश में सितंबर का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने के बाद मौसम बदला है। मौसम वैज्ञानिकों ने प्रदेश भर में 3 दिन तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया था। इंदौर और आसपास के जिलों में गुरुवार को धूप और उमस के बाद नमी से बादल छाने और बारिश की आशंका जताई है।

बुधवार को दिन के तापमान में 3 डिग्री गिरावट के साथ 26.6 (-3) और रात का 22.8 (+2) रहा। मंगलवार को दिन का तापमान 29.2 (-1) डिग्री और रात का तापमान 22.6 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इस बार सीजन की करीब साढ़े 31 इंच बारिश हुई है जबकि कोटा पूरा करने के लिए अभी 5 इंच की और जरूरत है।

इंदौर के चोइथराम स्कूल में दादा-दादी दिवस पर इवेंट

बुजुर्गों ने विभिन्न गेम्स खेले, पहेलियों को सुलझाया और हास्य योग का आनंद लिया

इंदौर (एजेंसी)। चोइथराम स्कूल नॉर्थ कैंपस में दादा-दादी दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर दादा-दादी ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम में दादा-दादी ने विभिन्न खेल खेले, पहेलियों को सुलझाया एवं हास्य योग का आनंद लिया। बच्चों ने अपने दादा-दादी के लिए विशेष प्रदर्शन किए।

इस मौके पर संस्था के प्राचार्य अमित त्रिवेदी ने मेहमानों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्या अंशु चोपड़ा, मोंटेसरी कोऑर्डिनेटर शुचिता जोशी उपस्थित रहे। हास्य योग का संचालन रमेश मौर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोंटेसरी शिक्षिकाओं द्वारा किया गया। खेलों एवं पहेलियों का पुरस्कार वितरण मोंटेसरी कोऑर्डिनेटर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दादा-दादी और बच्चों के बीच प्यार और सम्मान को बढ़ावा देना था।

संपादकीय

डिबेट में कमला का भारी पड़ना !

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर दूसरी प्रेसीडेंशियल डिबेट में डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी और भारतवंशी कमला हैरिस का रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हावी होना, इस बात का संकेत है कि चुनाव में कमला का पलड़ा भारी रह सकता है। हालांकि अमेरिका में ऐसी डिबेट अभी और हो सकती है। ये टीवी डिबेट जीतना वहां राष्ट्रपति चुनाव जीतने की गारंटी माना जाता है। क्योंकि डिबेट में तमाम मुद्दों पर राष्ट्रपति चुनाव प्रत्याशियों से उनकी राय जानी जाती है। प्रत्याशी अपनी बात, योजना और सोच को कितनी तार्किकता और प्रभावी ढंग से रख पाते है, इसका आकलन अमेरिका की जनता करती है। माना जाता है कि उसी के हिसाब से वह मतदान का मन भी बनाती है। इस पूरे डिबेट में कमला हैरिस ट्रंप की तुलना में ज्यादा सहज और विनम्र नजर आईं। जबकि ट्रंप अपने उसी अक्खड़ में डूबे दिखे, जिसके लिए वो जाने जाते हैं और यह मान बैठे हैं कि गोरे अमेरिकी उन्हें जिताकर रहेंगे। अमेरिका में रह रहे हिंदुओं के एक वर्ग ने भी ट्रंप को समर्थन दिया है। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अमेरिका में रह रहे भारतीयों की सोच बंटी हुई है। ट्रंप और हैरिस के बीच डिबेट में मुद्दों से ज्यादा जोर व्यक्तिगत आरोप प्रत्यारोपों पर रहा। डिबेट का समापन भी कटुतापूर्ण माहौल में हुआ। टीवी पर 90 मिनट चली इस बहस को सुनने वाले ज्यादातर लोगों का मानना है कि ट्रंप की तुलना में कमला के जवाब ज्यादा सटीक थे। डिबेट के दौरान जो मुद्दे उठे, उनमें आप्रवासन, सीमा सुरक्षा, अर्थ व्यवस्था, टैक्स छूट, गर्भपात, इजराइल हमास युद्ध, रूस यूक्रेन युद्ध, रूसी राष्ट्रपति पुतिन, चीन, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ईरान, तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका आदि तमाम मुद्दों पर बात हुई। भारत को लेकर कोई सवाल नहीं हुआ। इसका कारण शायद यह है कि अमेरिका की नजर में भारत की उतनी अहमियत नहीं है, जितनी कि दूसरे मुद्दों की है। वैसे भी राष्ट्रपति कोई भी बने, भारत अमेरिका के रिश्तों पर उसका प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना नहीं है। कई जानकारों का मानना है कि कमला हैरिस को ट्रंप के आरोपों का जवाब देते रहने की जगह इस बात पर ज्यादा जोर देना था कि अगर वो राष्ट्रपति चुनी गईं उनकी आर्थिक, सामाजिक नीतियां क्या होंगीं? उनकी प्राथमिकताएं क्या होंगी? बावजूद इसके ज्यादातर का मानना है कि कमला की स्वीकार्यता अमेरिकी मतदाताओं में बढ़ रही है। उन्होंने एक वकील के तौर पर भी अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखा। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए होने वाला यह चुनाव इस बार इसलिए भी खास है, क्योंकि अमेरिकी मतदाता पहली बार यह तय करेंगे कि क्या वो किसी महिला को अपने देश का राष्ट्रपति स्वीकार करेंगे या नहीं। क्योंकि तमाम प्रगतिशीलता के बाद भी अमेरिका में आज तक एक भी महिला देश के सर्वोच्च पद पर नहीं पहुंच सकी है। ट्रंप के पहले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वो चुनाव नहीं जीत सकीं। हालांकि हिलेरी गोरी और कमला हैरिस अश्वेत हैं। अमेरिका में लगभग आधी मतदाता महिला हैं, लेकिन इसके बाद भी कोई महिला प्रत्याशी राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने में अब तक सफल नहीं हो पाई है। यानी इस मामले में अमेरिकी मतदाताओं का सोच पारंपरिक ही है। हालांकि कमला को इस बार राष्ट्रपति चुनाव में जिस ढंग से समर्थन मिल रहा है, उससे अमेरिका का इतिहास बदलने की संभावना लग रही है। यदि कमला राष्ट्रपति बनती हैं तो पूरी दुनिया में इसका अलग संदेश जाएगा और वैश्विक स्तर पर महिलाओं को ज्यादा सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

फिलेमॉन यंग के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र महासभा से उम्मीदें

फिलेमॉन यंग के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र का आगाज़ हो चुका है। यह महासभा न्यूयॉर्क में हो रही है और इसके साथ ही भविष्य के लिए सम्मलेन भी आयोजित होने जा रहा है। इस सत्र वाली महासभा अपने पूरे जोश के साथ भविष्य के सम्मलेन पर भी अपना मंतव्य प्रकट करने जा रही है लेकिन सबसे अहम् बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र की महासभा के 79 वें सत्र के अध्यक्ष फ़िलेमॉन यंग ने जलवायु परिवर्तन, हिंसक टकराव और टिकाऊ विकास की धीमी होती रफ़्तार समेत अन्य वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए विविधता में एकता की अपनी दृष्टि पेश की है और अन्तरराष्ट्रीय सहयोग की पुकार लगाई है। उन्होंने यह भी पुकार लगाई है कि समतापूर्ण आर्थिक प्रगति हासिल किया जाए, नवाचार और हरित अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहन देना होगा और आर्थिक विकास से मिलने वाले लाभों को हर देश के लिए सुनिश्चित करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र का यह सत्र फ़िलेमॉन यंग की सूझबूझ, स्पष्टता, गरिमापूर्ण बहस के लिए उनकी उद्दात्तता और हाशिये के देशों को मिलने वाले महत्व पर ही मूल्यांकित होगा। भारत की और से संयुक्त राष्ट्र में विजय लक्ष्मी पंडित ने इस दायित्व को शुरूआती वर्षों में निभाया है। इस साल कैमरून के पूर्व प्रधान मंत्री फ़िलेमॉन यंग के नेतृत्व में महासभा हो रही है। वैश्विक शांति व लोकतंत्र के पैरोकार इसमें जुटकर अपना-अपना पक्ष रखते हैं और विश्व की चिंताओं को प्रकट करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुटेरेस जो कि सुप्रसिद्ध डिप्लोमेट हैं वह महासचिव की अपनी दूसरी पारी में फ़िलेमॉन यंग को सहयोग प्रदान करेंगे। यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेश का मानना है कि मुश्किलों से घिरी दुनिया में समाधान की तलाश में सामूहिक कार्रवाई पर बल दिया जाए तो हम दो कदम आगे बढ़ सकते हैं। महासभा अध्यक्ष फ़िलेमॉन यंग की दृष्टि व नेतृत्व की अद्भत क्षमता है। साझा लक्ष्यों के लिए सभी सदस्य देशों को एकजुट करने के लिए सभी दशों की संगठित शक्ति और फ़िलेमॉन यंग की दूरदर्शी, सम्यक साझी रणनीति से दुनिया बदली जा सकती है। पहले दिन से ही, संयुक्त राष्ट्र बहुपक्षीय समाधानों का स्थल रहा है, जिसकी बुनियाद रचनात्मक सहयोग, सम्वाद, कूटनीति व यूएन चार्टर में है।इन सबके बावजूद संयुक्त राष्ट्र के चिन्हित लक्ष्य जिसमें एसडीजी-2030, भविष्य के लिए सम्मलेन, वैश्विक शांति के हालात ये सब दिमाग में बुद्धिजीवियों के आ ही जाते हैं। पूरी दुनिया में समालोचकों द्वारा यह चिंता जताई जा रही है कि दुनिया के हालात ठीक नहीं हैं। अफगान की औरतों के साथ ठीक नहीं हो रहा है। युद्धरत देश युद्धविराम के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं। कभी गाज़ा, कभी म्यांमार, कभी बांग्लादेश तो कभी गल्फ कंट्रीज से अस्थिरता, संघर्ष और मतभेद की पराकाष्ठा देखने-सुनने को मिल रही है। समस्या यह है की संकटग्रस्त देशों का यह झुण्ड जब-जब न्यूयॉर्क में इकठ्ठा होता है तो कोई समाधान न निकालकर केवल अपना दिल हल्का करने के लिए कुछ-कुछ कहकर चला जाता है। क्या संयक्त राष्ट्र की यही सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाए कि वह प्रत्येक वर्ष एक शानदार समारोह संयुक्त राष्ट्र का करवा लेता है।

एंतोनियो गुटेरेस की यह चिंता कि निर्धनता में कमी लाने, असमानता को दूर करने और जलवायु संकट समेत अन्य चुनौतियों पर पार पाने के लिए ठोस समाधानों की आवश्यकता है। हमें समाधानों की ज़रूरत है। टिकाऊ विकास लक्ष्यों में फिर से ऊर्जा भरने और निर्धनता व असमानता का अन्त करने की ज़रूरत है। आर्थिक प्रगति व रोज़गार सृजन को प्राथमिकता देकर महिलाओं व युवजन के लिए विशेष रूप से ध्यान देने की ज़रूरत है। उभरती हुई टेक्नॉलॉजी, जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमता की अहम भूमिका को भी रेखांकित कर इनका इस्तेमाल अवरोध पैदा करने के बजाय प्रगति के औज़ार बनाने की जरूरत है। यह सब बातें अच्छी लगती हैं लेकिन समस्या इस बात की है कि इस पर अमल कितना हो रहा है। कूटनीतिक का ऊंट जिस खूंट से सन 1945 में बाँधा गया, वह कभी इस करवट-कभी उस करवट अपना पोजीशन बदलता है। यदि सकारात्मक परिवर्तन नहीं होंगे तो संयुक्त राष्ट्र व संयुक्त राष्ट्र महासभा में एकत्रित होने वाले देशों व उनके नेत्रित्वकर्ताओं पर भी तो प्रश्नचिन्ह लगेंगे। यह सत्र बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्र हमारे लिए कुछ कर जायेगा। दुनिया बदलेगी, ऐसी आशाएं कम नहीं ही गईं। लेकिन यह आशाएं क्या केवल एक भ्रमजाल ही बनी रहेंगी या अबूझ पहेली तो क्या दुनिया में परिवर्तन हो जायेगा, आज सवाल यह है।

फ़िलेमॉन यंग अपनी फिलहाल दृढ़ संकल्प व प्रतिबद्धता व्यक्त किया है कि इस महासभा के जनादेश को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि सुरक्षा परिषद का सुधार करूँगा, महासभा का पुनरुद्धार करूँगा। सामाजिक शिखर सम्मेलन 2025 की सफलता के लिए काम करूंगा। विकास के लिए वित्तपोषण पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है उसे गंभीरता से लूंगा और एसडीजी 14 के समर्थन में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन भी हमारी गंभीर इनिशिएटिव में सम्मिलित है संचारी रोगों पर चौथा उच्च स्तरीय सम्मेलन और भविष्य के समझौते का कार्यान्वयन जल्द ही अपनाया जाएगा। सही बात यही है कि सदस्य देशों को, अपनी विविधता के साथ ही अपने हितों के बारे में अपने विचारों और प्रस्तावों को मुक्त रूप में रखने का अवसर है जहाँ देश, लड़ाई किए बिना, चर्चा में शिरकत कर सकते हैं और समाधान खोज सकते हैं, उसमें फ़िलेमॉन यंग का यही दहित्व व प्रतिबद्ध संकल्प देशों के प्रतिनिधियों को जोड़ने और इन सभी आयोजनों के माध्यम से समाधान ढूँढने के लिए अवसर प्रदान करेगा, यह सचाई है लेकिन देश यदि किसी समाधान की ओर आगे बढ़ना चाहेंगे तभी कुछ संभव है। वैसे भी जब फ़िलेमॉन यंग का चयन हुआ था तो उन्होंने टिकाऊ विकास, साझा खुशहाली और प्रकृति के साथ समरसता के लिए काम करने पर अपना मंतव्य स्पष्ट किया था। उन्होंने यह स्पष्ट भी क्या था की ऐसा वातावरण ज़रूरी है जिसमें ये सुनिश्चित किया जा सके कि संसाधनों का प्रयोग और उपभोग, समझदारी और किफ़ायत के साथ विश्व आगे बढ़े।

यदि सदस्य देश फ़िलेमॉन यंग स्वयं और संयुक्त राष्ट्र महासचिव इन प्राथमिकताओं को सहयोगात्मक भावना के साथ लेकर आगे बढ़ें और यह सुनिश्चित करें कि संयुक्त राष्ट्र वैश्विक समुदाय के लिए कुछ अभिनव आशा की किरण और समाधान का सूत्र बन जाए तो दुनिया इस सत्र की तारीफ़ करेगी वरना महासभा का 79वां सत्र एक औपचारिकता बनकर रह जाएगा। फिलहाल वैश्विक भरोसा जब उठता जा रहा है। जलवायु संकट और टिकाऊ विकास के मसाले बहुत ठीक-ठीक समाधान की ओर नहीं बढ़ रहे हैं तो ऐसे में प्रश्न ज्यों के त्यों बने रह सकते हैं और विश्व की अस्थिरता भी मिटने से रह जाएगी। ऐसे में मैत्रीपूर्ण विश्व का निर्माण किस प्रकार से हो सकता है इस पर वैश्विक राय बनानी फ़िलेमॉन यंग की प्राथमिकता होगी, तभी सभी देश एकजुट होकर कोई महँ लक्ष्य पा सकते हैं। वैसे भी सतत विकास का लक्ष्य 2030 तक जो रखा गया है, उस पर संयुक्त राष्ट्र यदि सच स्वीकार करे तो वह उससे बहुत दूर है। सत्ता और संप्रभुता में चल रही विश्व के देशों की सरकारें इन गंभीर मसलों पर यदि बेचैन नहीं हैं तो इस दुनिया का भला भगवान् भरोसे है। यदि फ़िलेमॉन यंग सरकारों की सोच को बदलने में सफल हुए तो निःसंदेह परिणाम भी अच्छे आएंगे और रोमांचकारी परिवर्तन भी होगा। फ़िलेमॉन यंग की एक मुख्य प्राथमिकता यह समझ में आई कि उन्होंने देशों से ग़ाज़ा पट्टी, हेती, यूक्रेन, और अफ़्रीका के ग्रेट लेक्स क्षेत्र में मौजूदा हिंसक टकरावों के निपटारे का आग्रह किया और अन्तरराष्ट्रीय क़ानून व न्याय के फ़्रेमवर्क को मज़बूती देने और मानवीय सहायता प्रयासों के लिए आपसी समन्वय को बढ़ाने की पुकार लगायी। वह चाहते हैं कि अन्तरराष्ट्रीय आतंकवाद, ड्रग, मानव तस्करी और आधुनिक दासता की चुनौतियों से निपटने के लिए मानव गरिमा का ध्यान रखा जाए।

सुनहरे भविष्य की चिंता तो पूरे विश्व को करनी होगी। इसमें फ़िलेमॉन यंग केवल जिम्मेदार नहीं हैं। जिम्मेदार तो पूरा विश्व है और विश्व की सरकारें हैं। उनके नेत्रित्वकर्ता हैं। एक वैश्विक साझी रणनीति ही हमारे लिए सुरक्षित भविष्य तैयार कर सकती है। इसलिए फ़िलेमॉन यंग की बतौर अध्यक्ष जो जिम्मेदारी है उसे वह निभाएंगे लेकिन उनकी उपस्थिति में यदि संयुक्त राष्ट्र महासभा का यह सत्र आमूलचूल परिवर्तन लाने में सफल हुआ तो निःसंदेह उनके नेतृत्व को ऐतिहासिक रूप से सफलता मिलेगी व उन्हें श्रेय भी मिलेगा।

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखिका स्तंभकार हैं।

भाषा मात्र एक दिन का गौरव नहीं

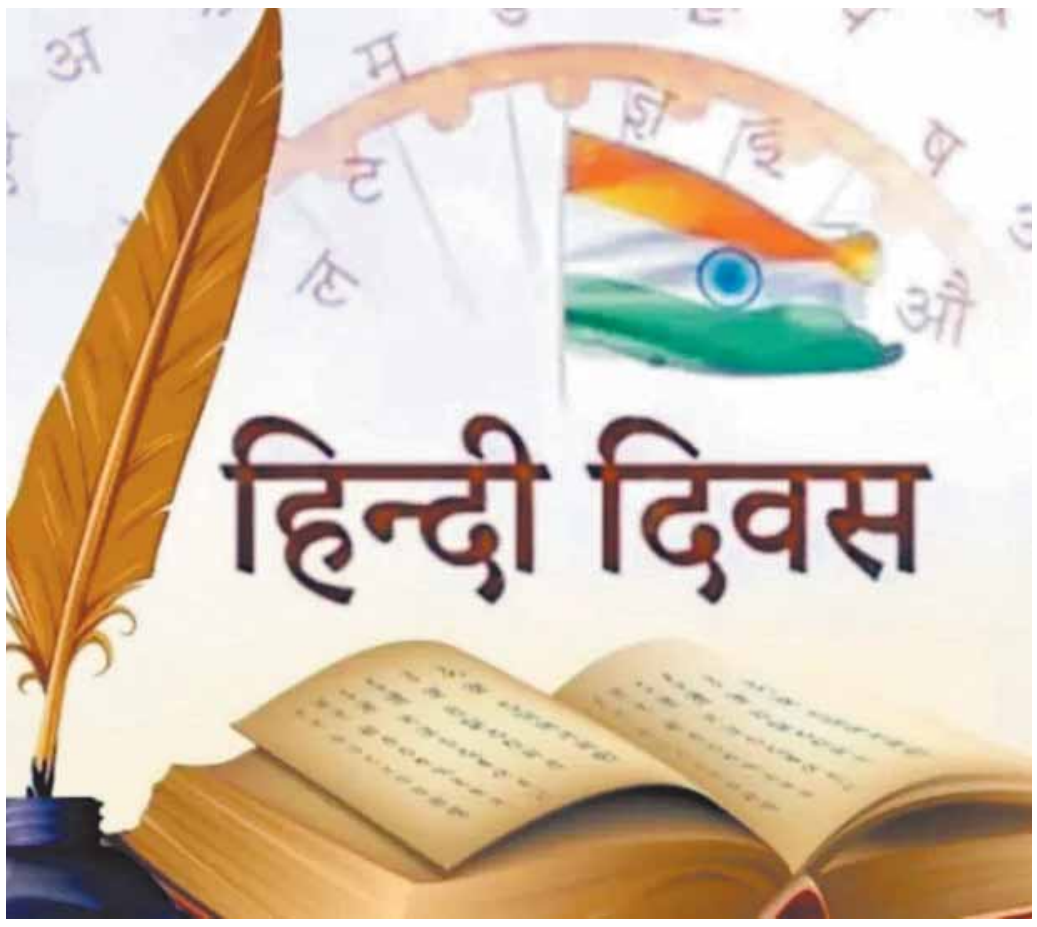

14 सितंबर एक तिथि ही नहीं बल्कि भारत का ऐसा दिवस जो हर वर्ष हिन्दी भाषा के सम्मान में एक त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। 14 सितम्बर 1949 को देवनागिरी लिपि में हिन्दी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार किया गया। यहाँ तक आने में विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग स्वरूपों में हमारी प्राचीन भाषा को एक लम्बा सफर तय करना पड़ा है। संस्कृत भाषा से पालि, पालि से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश, अपभ्रंश से अवहट्ट, अवहट्ट से पुरानी हिन्दी और पुरानी हिन्दी से आधुनिक हिन्दी। जिसे हम आजकल बोलते है। हिन्दी भाषा के काल-खंड के बारे में बात करें तो इसे तीन कालों में विभाजित किया गया है। पहला कालखंड (1100 ईस्वी- 1350 ईस्वी तक माना गया है) दूसरा कालखंड (1350 ईस्वी से 1850 ईस्वी तक माना गया है) तीसरा कालखंड (1850 से आजतक के समय को माना गया है।)

इन तीनों कालखंडों में हिन्दी ने कठिन दौर को तो देखा ही है साथ में हमारी प्रिय भाषा को अपने ही देश में स्वयं का शोषण होते भी देखना पड़ा। अपने इस सफर को तय करते हुए हिन्दी ने यह कभी भी नहीं सोचा होगा की उसे अपने ही घर में एक आन्दोलन का रूप लेना पड़ेगा। अपने ही जब हमें अपनाने में झिझक महसूस करें तो तकलीफ को शब्दों में व्यक्त करना कठिन हो जाता है। हिन्दी के संघर्ष को खत्म करने के लिए हमें मात्र एक दिन की आवश्यकता नहीं है बल्कि हमें इसे अपने स्वाभिमान से जोड़ना पड़ेगा। जब तक हम मन से इसके आस्तित्व को स्वयं के मान के साथ जोडकर नहीं देखेंगे तब तक हम हिन्दी को मात्र एक भाषा के रूप में ही देखेंगे। हिन्दी हमारी संस्कृति का एक अभिन्न अंग है जिसके विकास के साथ हमारी संस्कृति का विकास जुड़ा है और यह तो हम बिलकुल ना माने की हम हिन्दी के लिए कुछ कर रहे है। हमें तो यह सोचना चाहिए की कितनों को यह सौभाग्य मिला है की वह हिन्दी की सेवा कर सकें। गर्व एवं आस्तित्व की इस लड़ाई में यदि हिन्दी आज भी स्वाभिमान से खड़ी है तो यह हमारी वजह से नहीं बल्कि हमारे लिए खड़ी है। हिन्दी का महत्व इसी से जाना जा सकता है की विश्व में भारत के अतिरिक्त विदेशों में 170 विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। यह हमारे लिए गर्व की बात है पर अपने देश में अपनी पहचान की लड़ाई लड़ते देखना हमारे लिए एक अपमान का विषय है।

भारतीय होने में जितना गर्व हमें है उतना ही गर्व अपनी भाषा को लेकर भी होना चाहिए। जन-जन में बोली जाने वाली हिन्दी आज हमारे ऊपर प्रश्नचिन्ह लगा रही है, की क्यों आखिर हमें उसको अपनाने में परेशानी है। जब तक हर घर में अंग्रेज़ी को मात्र एक भाषा मान कर ही नहीं अपनाया जाएगा तब तक हिन्दी मात्र भाषा बनाकर रह जायेगी।

एक दिन नहीं बल्कि हर समय अपनी भाषा को आत्मसात कीजिए। भाषा के लिए नहीं, स्वयं अपने लिए, क्योंकि जब तक हम अपनों को सम्मान नहीं देंगे तब तक हमारा संघर्ष भी खत्म नहीं होगा।

गर्व से कहें की हम हिन्दी भाषाई है और हिन्दी हमारा गर्व है।

सोशल मीडिया पर क्यों और कैसे बढ़ रहा है हिंदी का जादू

हिंदी दिवस विशेष

प्रीति अभिषेक

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने संचार के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। अब यह केवल एक मंच नहीं रह गया है जहाँ लोग अपने विचार साझा करते हैं, बल्कि यह एक ऐसी जगह बन गई है जहाँ भाषाएँ और संस्कृतियाँ फल-फूल रही हैं। खासकर हिंदी भाषा का प्रभाव सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ रहा है। हिंदी के पल्लवित पुष्पित होने के कई आयाम है।

हिंदी भाषा का सोशल मीडिया पर बढ़ता प्रभाव सबसे पहले उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण है। भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुँच बढ़ने के साथ-साथ, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हिंदीभाषी उपयोगकर्ताओं की संख्या में भी भारी इजाफा हुआ है। ये नए उपयोगकर्ता हिंदी को प्राथमिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी हिंदी भाषा में सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया गया है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किए हैं।

हिंदी भाषा का जादू सोशल मीडिया पर इसलिए भी बढ़ रहा है क्योंकि यह लोगों को एक-दूसरे से सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से जोड़ता है। हिंदी में सामग्री न केवल स्थानीय मुद्दों और खबरों को उजागर करती है, बल्कि भारतीय संस्कृति, त्योहारों, और रीति-रिवाजों को भी बढ़ावा देती है। इससे हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं को अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, ट्विटर पर हिंदी हैशटैग्स और हिंदी में लिखे गए पोस्ट्स के जरिए लोग अपने विचार और भावनाएँ सहजता से व्यक्त कर पाते हैं।

सोशल मीडिया पर हिंदी का बढ़ता प्रभाव व्यवसायों और मार्केटिंग रणनीतियों में भी देखा जा सकता है। कंपनियाँ अब अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रचारित करने के लिए हिंदी में विज्ञापन बना रही हैं और हिंदी में कंटेंट क्रिएट कर रही हैं। यह बदलाव इसलिए आया है क्योंकि कंपनियाँ समझ चुकी हैं कि अगर उन्हें भारत के विशाल हिंदीभाषी बाजार तक पहुँचना है, तो उन्हें अपनी मार्केटिंग सामग्री हिंदी में उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा, हिंदी में प्रभावशाली व्यक्ति (इंफ्लुएंसर्स) और कंटेंट क्रिएटर्स की संख्या में भी वृद्धि हुई है, जो अपने अनुयायियों को हिंदी में संवाद करते हैं और उनके साथ गहरे जुड़ाव बनाते हैं। तकनीकी विकास ने भी हिंदी भाषा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने अब हिंदी में टाइप करना, पोस्ट करना और यहां तक कि वॉइस कमांड्स का उपयोग करना आसान बना दिया है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, और अन्य बड़ी टेक कंपनियाँ हिंदी में वॉइस सर्च, ट्रांसक्रिप्शन, और अनुवाद की सुविधाएँ उपलब्ध करा रही हैं, जिससे हिंदी का उपयोग और भी सहज हो गया है।

हिंदी भाषा का बढ़ता जादू केवल संचार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के क्षेत्र में भी देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर हिंदी कविताएँ, कहानियाँ, और लेखन के अन्य रूप व्यापक रूप से साझा किए जा रहे हैं। यह रचनात्मकता हिंदी के प्रति एक नया आकर्षण पैदा कर रही है, जो नई पीढ़ी को भी हिंदी भाषा के प्रति जागरूक और प्रेरित कर रही है।

सोशल मीडिया पर हिंदी का जादू कई कारकों के संयोजन का परिणाम है। यह न केवल हिंदी भाषी समुदायों के लिए एक मजबूत आवाज बनकर उभरी है, बल्कि यह भी साबित किया है कि हिंदी में भी वैश्विक स्तर पर संवाद करने की क्षमता है। तकनीकी विकास, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, और बाजार की जरूरतों ने मिलकर हिंदी को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया है, जहाँ से इसके प्रसार की कोई सीमा नहीं है। यह न केवल भाषा के रूप में बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी अपनी जगह बना रही है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रदीप मिश्र

बुद्धिहीनता की नाप-जोख में जुटे प्रभुजी !

गजानन, बड़े सबेरे ही मेरे घर पधार गए। मैंने उनका स्वागत किया, 'रिस्पेक्टेड लार्ड गणेशा ! सर, आपका वेलकम है।' गणपति बोले, 'हिन्दी अब ऐसी बोली जाने लगी क्या?'

- 'अभी तो ये अंग्रेजी वाली हिन्दी है। अगली बार आप पधारेंगे तो हो सकता है, आपका स्वागत चाइना वाली हिन्दी में करूँ।'

- 'ये चाइना वाली हिन्दी क्या होती है बेटा?'

- 'महाराज कि जो हिन्दी है, वह बाजार के हिसाब से चलती है। जब तक बाजार पर अंग्रेजों का कब्जा रहा, हम अंग्रेजों-सरीखी हिन्दी, मतलब हिंगलिश बोलते रहे। बाजार पर अब चीनियों ने कब्जा होने को है तो कुछ समय में हम, चिनहिन्दी बोलने लगेंगे।'

- 'हिन्दी, जुबान न हुई पानी हो गई? सब में समा गई, सबको समा लिया?' - 'यही उसकी सबलता है, यही दुर्बलता है। लेकिन भगवन, आप दरवाजे पर खड़े रहेंगे या भीतर भी आएंगे? प्लीज कम इन माई गरीबखाना।'

- 'तेरे घर में विराजने लायक ऐसी कोई जगह ही नहीं है, जहाँ मेरे खाने-सोने की प्राइवेसी मेंटेन हो सके?'

- 'वन बीएचके के फ्लैट में कहां आपको बिठाऊं? कहां खिलाऊं? कहां सुलाऊं? क्यों लज्जित करते हैं, प्रभुजी? आपको किसी पूंजीपति की कुटिया में जाना था। हे देव ! आप मेरे घर क्यों आए?' प्रभु का समुचित स्वागत नहीं कर पाने की वजह से मैं कलप उठा था। मैं रोया तो प्रभु बोले, ' क्या था कि गणेश-उत्सव में दस दिन के लिए आया था। पंडालों में बैठ-बैठे बोर हो गया तो सोचा, फील्ड में निकल जाऊँ। हमें अपने रिपोर्ट-कार्ड में फील्ड-वर्क भी दिखाना पड़ता है...कि दस दिनों में कहाँ-कहाँ गए? क्या-क्या वरदान दिए? किसको काया ग्रांट की , किसको माया ग्रांट की। किसको संतान दिया, किसको आँख दी? किसको शाप दिया, किसको माफ किया। सब विस्तार से लिखना होता है। फील्ड में पहुंचा तो सोचा, इस बार क्यों न किसी बुद्धिहीन के घर जाऊँ? गूगल सर्च किया तो मुझे तुझमें विराट बुद्धिहीनता मिली। अस्तु यहां चला आया। मुझे अध्ययन करना है कि किसी मानव में ऐसी दुर्लभ बुद्धिहीनता, कैसे पनप सकती है?' कहकर प्रभु, मेरी बुद्धिहीनता की नाप-जोख में जुट गए।

महिला क्रिकेट

अनुराग तागड़े

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

एशिया में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता का दौर

लड़कियों में क्रिकेट को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। अब वो समय नहीं रहा जब महिला क्रिकेट की 11 की टीम बनाने के लिए भी जद्दोजहद करना पड़ती थी। अब लड़कियां भी क्रिकेट खेलने लगी और उनके परिवारों ने भी उन्हें सहयोग करना शुरू कर दिया। लेकिन, प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ लड़कियों के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। आज भारतीय महिला क्रिकेट टीम का न केवल एशिया में, बल्कि विश्व में नाम चलने लगा। महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को दूसरे देशों में आयोजित होने वाली क्रिकेट लीग में भी बुलाया जाने लगा।

देश में वुमेंन्स क्रिकेट को लेकर जिस तरह से दिन प्रतिदिन उत्साह बढ़ता जा रहा है वह अपने आप में यह आशा जगा रहा है कि देश में वुमेन्स क्रिकेट का भविष्य सुनहरा है। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने हाल ही में अंडर 19 वुमेंस टी-20 टूर्नामेंट आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह अपने आप में स्वागत योग्य कदम है। इससे निश्चित रूप से एशिया के सभी क्रिकेट खेलने वाले देशों को फायदा होगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इसे प्रति दो वर्ष में आयोजित करने का निर्णय लिया है और इस वर्ष से टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। अभी इसका संपूर्ण कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है पर कहा जा रहा है कि दिसंबर में यह आयोजित होगा ताकि जनवरी से मलेशिया में आयोजित होने वाले अंडर 19 वुमेन्स टी 20 वर्ल्ड कप के लिए एशिया की टीमों को अच्छा अनुभव हो जाए।

एक जमाने में लड़कियों की ग्यारह खिलाड़ियों की टीम बनाने में बड़ी मुश्किल हुआ करती थी। जिसे थोड़ा बहुत भी क्रिकेट खेलना आता था उनका चयन टीम में हो जाता था। क्योंकि, इतनी लड़किया क्रिकेट खेलती ही नहीं थी। अब जमाना बदल गया है और बीसीसीआई की देखरेख में महिला क्रिकेट नई ऊंचाइयां छू रहा है। अब महिला क्रिकेट का भी रेवेन्यू मॉडल इतना अच्छा बन गया है कि बीसीसीआई को टूर्नामेंट के लिए प्रायोजक भी अच्छे मिलने लगे। टेलीविजन प्रसारण के अधिकार के अलावा ऑनलाईन प्रसारण के अधिकार के कारण भी बीसीसीआई को अच्छी कमाई होने लगी है। बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट को आगे लाने के लिए गत सात वर्षों में काफी मेहनत की है और जिसके परिणाम भी देखने को मिल रहे है। आज भारतीय महिला क्रिकेट टीम का न केवल एशिया में बल्कि विश्व में नाम चलने लगा है और भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को दूसरे देशों में आयोजित होने वाली क्रिकेट लीग में भी बुलाया जाने लगा है।

महिला क्रिकेट में प्रगति की है परंतु अभी भी चुनौतियां बाकी है। सबसे बड़ी चुनौती भारत के लिए यह है कि नई प्रतिभाओं को तराशने का काम जैसा होना चाहिए वह नहीं हो पा रहा है। लड़कों में अंडर 15 के टूर्नामेंट बीसीसीआई के अलावा प्रदेश के एसोसिएशन करवाते है परंतु बात जब लड़कियों की आती है तब एकाध टूर्नामेंट होते है। दरसअल लड़कियों को छोटे स्तर पर बहुत ज्यादा क्रिकेट मैच खेलने को नहीं मिलता है, इस कारण पूरे साल में एक या दो टूर्नामेंट खेलने को मिलते है। पढ़ाई और क्रिकेट करियर के बीच सामंजस्य बैठाना वैसे ही बड़ा मुश्किल कार्य होता है। ऐसे में कई प्रतिभाशाली लड़कियों को क्रिकेट छोड़ना पढ़ता है। सभी प्रदेशों के क्रिकेट एसोसिएशन्स को अपने स्तर पर भी लड़कियों के लिए वर्षभर में कम से कम दो से तीन टूर्नामेंट आयोजित किए जाने चाहिए।

बीसीसीआई को सभी राज्यों के क्रिकेट एसोसिएशन्स को आपस में प्रैक्टिस मैच टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए भी प्रेरित करना होगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लड़कियों को मौका मिल सके। एक ओर बड़ी चुनौती है खिलाड़ियों के चयन की। अधिकांश महानगरों में क्रिकेट की सुविधाएं अच्छी है जिसके कारण वहां की लड़कियों की प्रतिभा जल्दी सामने आती है। मध्यप्रदेश की बात करें तब यहां पर लड़कियों में क्रिकेट प्रतिभा की कमी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर लड़कियों ने अंडर 19 और अंडर 23 प्रतियोगिता जीती भी है। परंतु इसके बाद भी अंडर 19 महिला क्रिकेट की राष्ट्रीय टीम में मध्य प्रदेश से केवल एक खिलाड़ी का चयन किया गया। मध्यप्रदेश में महिला क्रिकेटरों को लेकर अभी ओर जागरुकता फैलाने की जरुरत है और सही मायने में प्रतिभाओं को उचित समय पर मौका देने की जरुरत है।

महिला खिलाड़ियों को आर्थिक रुप से मजबूत करने की बीसीसीआई द्वारा लगातार प्रयत्न किया जा रहा है परंतु राज्य एसोसिएशन्स को भी इस ओर देखना होगा। वही संपूर्ण एशिया का परिदृश्य देखा जाए तब भारत,बांग्लादेश,श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा अन्य जो देश क्रिकेट खेल रहे है वहां पर खिलाड़ियों को ओर अधिक प्रशिक्षण और प्रोफेशनल क्रिकेट कैसे खेला जाता है इसकी जानकारी देने की जरुरत है। नेपाल,सिंगापुर,मलेशिया जैसे देशों की टीमों ने प्रतियोगिताओं में भाग लेना आरंभ जरुर कर दिया है परंतु अभी भी वे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पा रही है। एशिया टी-20 टूर्नामेंट के माध्यम से इन देशों के खिलाड़ियों को भी पेशेवर क्रिकेट की झलक देखने को मिलेगी और ये लोग भी आगे आने वाले वर्षों में अच्छा क्रिकेट खेलेंगे। कुल मिलाकर एशियन क्रिकेट काउंसिल की यह पहल बहुत स्वागत योग्य है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

जातिगत गणना को लेकर एक टिप्पणी ऐसी भी ....

राजनीतिक दृष्टि से जातिगत जनगणना को लेकर विभिन्न दल अपनी-अपनी सोच और कार्ययोजना के अनुकूल या प्रतिकूल चाहे मान रहे हो, लेकिन ऐसे प्रयास के चलते 'अनेकता में एकता' के स्थान पर 'एकता में अनेकता' का हीं बोध होना है। वैसे जातिगत जनगणना के गुण-दोष को लेकर राजनीतिक बिरादरी में घमासान जारी है। सबके अपने-अपने निहितार्थ है। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले दौर में अलग-अलग स्तर पर अलग-अलग प्रकार की जातिगत गणना की मांग सर उठाने लगेगी। जाहिर है कि ऐसी स्थिति आने पर कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहेगा जिसमे कि जातिगत गणना पर जोर नहीं दिया गया हो।

यहां तक कि हर किसी के हर प्रकार के अच्छे-बुरे कर्मों को भी यदि जातिगत गणना के आधार पर रेखांकित किया जाने की मांग की जाए, तो किसी को कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। वैसे यह साफ दिखाई देता है कि जातिगत जनगणना के पीछे आखिर राजनीतिक दलों एवं उनके आकाओं की वास्तविक मंशा क्या है। इतिहास साक्षी है कि हमारे देश में आंतरिक रूप से व्याप्त मत- मतांतर के चलते मुट्ठी भर आक्रामकों ने करोड़ों पर राज किया था। वजह सिर्फ यह थी कि हम थे तो बहुत, लेकिन टुकड़ों-टुकड़ों में विभाजित थे। अंग्रेजों ने तो हमारे ही भाई-बंधु को रोजगार देकर हम पर ही सितम ढाया था। तब हम बंटे हुए थे, लेकिन अब हमें बांटा नहीं जाना चाहिए।

दरअसल जातिगत जनगणना को तमाम राजनीतिक दल ही अपने हितसाधन के रूप में नहीं देख रहे हैं, बल्कि अब तो विभिन्न खेमे भी इसमें लाभ का गणित बैठाने की जुगाड़ में दिखाई देने लगे हैं। यह सिलसिला परवान चढ़ने लगा तो इसका दुष्परिणाम जाति आधार पर होगा जो होगा, लेकिन अलग-अलग वर्ग व समूह पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़े बिना नहीं रह सकेगा। वैसे जब संविधान में जाति, वर्ग व लिंग के आधार पर कहीं कोई भेदभाव नहीं किया जाता, तो इस संदर्भ में एक बहुत वाजिब सवाल हर किसी के मन में तैर रहा होता है। लेकिन राजनीति का गणित ही कुछ ऐसा है कि जनमत का बहुमत सत्ताप्राप्ति का कारण बन जाता है।

वास्तव में होता यह है कि राजनीतिक खेमे से एक आवाज निकलती है, उस आवाज पर तमाम राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर लाभ-हानि का आकलन करते हैं। आखिरकार उस आवाज को जब राजनीतिक कारणों से मान लिया जाता है, तब उस आवाज के सुर में सुर मिलाकर अन्य तरह की आवाजे उठने लगती है। जिसके चलते तमाम तरह के मतभेद और मनभेद का सिलसिला जोर पकड़ने लगता है। ऐसे में आवाज चाहे वाजिब हो या नावाजिब, हर तरफ आवाज ही आवाज आगे जाकर कोलाहल में बदल जाती है। यह सिलसिला आजादी के बाद से लेकर आज तक चलायमान है। यही कारण है कि हम किसी क्षेत्र में दो कदम आगे चलते हैं तो चार कदम पीछे हो जाया करते हैं।

होना यह चाहिए कि राजनीतिक बिरादरी इस तथ्य को गंभीरता से समझे कि उसकी ओर से यदि एक एक मुद्दा उठाया जा रहा है, तो उसी तर्ज पर कहीं कोई ऐसा मुद्दा ना उठ पाए जो देश की एकता और अखंडता को तार-तार कर सकता हो। सचमुच वर्तमान दौर में बिना आगे पीछे का विचार किए अलग-अलग समय पर अलग-अलग मुद्दे उछालें जा रहे हैं। यह स्थिति हमें अपने स्वर्णिम भविष्य के प्रति आश्वस्त नहीं करती। यही नहीं अपितु देशवासियों के अंतर्मन में एक प्रकार से असुरक्षा का वातावरण निर्मित कर देती है। इस स्थिति से बचने के लिए तमाम राजनेताओं को जरा गंभीरता का परिचय देना चाहिए। अन्यथा कल को तरह-तरह के अपराधों में लिप्त जातिगत गणना की भी मांग उठ जाएं, तो क्या आश्चर्य !

सामरिक

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

'तरंग शक्ति' - गरज रहा भारत का आसमान

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतर्राष्ट्रीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए इन दिनों जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन चल रहा है, जो भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में शुरू हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारत के अलावा सात देशों के विमान एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई की वायुसेना टीम शामिल हैं। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्सास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार करना, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाये उसे निहारता ही रह गया।

'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को तो जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास रच दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। यह पहला अवसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखा रहे हैं, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफ ए-18 हॉरनेट, जापान के मित्सुबिशी एफ-2 सहित अन्य देशों की एफ-16 विमान के साथ आई टीमें साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं। 'तरंग शक्ति' के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की रायल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के 'तरंग शक्ति' अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा के लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा है। 12 सितंबर से तरंग शक्ति में 'डिफेंस एक्सपो' शुरू होगा। जिसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल है, साथ ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित किए जा रहे इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया जा रहा है। इस वायु अभ्यास में भारतीय वायुसेना अपने हल्के लड़ाकू विमान, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर तथा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों का प्रदर्शन कर रही है। इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास का उद्देश्य इसमें हिस्सा लेने वाले सभी देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देना, उन्हें सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और परिचालन समन्वय में सुधार करने में सक्षम बनाना है। 'तरंग शक्ति' में उड़ान और जमीनी प्रशिक्षण के अलावा रक्षा प्रदर्शनियां तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं और वायु अभ्यास में हिस्सा ले रहे देशों के रक्षाकर्मी भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों का दौरा भी करेंगे।

'तरंग शक्ति' भारत में आयोजित हो रहा अभी तक का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय वायु अभ्यास है, जो अपने यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाने जाते रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'रेड फ्लैग' अभ्यास से प्रेरित बताया जाता है। करीब तीन महीने पहले 4 से 14 जून 2024 तक अलास्का में अयोजित हवाई अभ्यास 'रेड फ्लैग 2024' के दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना ने भी हिस्सा लिया था। सिंगापुर तथा अमेरिकी विमानों के साथ भारतीय राफेल भी उस संयुक्त अभ्यास में शामिल हुआ था। इन आयोजित मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स एंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज युद्ध अभ्यास शामिल थे। अमेरिका द्वारा 'रेड फ्लैग' अभ्यास वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है और इसके दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना के अलावा सिंगापुर वायुसेना, ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स, रॉयल नीदरलैंड्स वायुसेना और जर्मन लूफ्टवाफे ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय वायुसेना ने रेड फ्लैग में पहली बार 8 राफेल लड़ाकू विमान तैनात किए थे, जिन्हें ट्रान्साटलांटिक यात्रा के लिए आईएल-78 मध्य-हवा में ईंधन भरने वाले विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान की भी सहायता मिली थी।

भारतीय वायुसेना द्वारा इससे पहले 1 से 10 अप्रैल 2024 तक अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए 10 दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास 'गगन शक्ति-2024' भी आयोजित किया जा चुका है, जिसमें देश के सभी वायुसेना स्टेशन बारी-बारी से शामिल हुए थे। उस युद्धाभ्यास में करीब 11 हजार वायु सैनिकों ने हिस्सा लिया था। 'गगन शक्ति-2024' में चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयारी का परीक्षण भी किया गया था। उस हवाई सैन्य अभ्यास में तेजस, राफेल, सुखोई-30, जगुआर, मिराज 2000, चिनूक, अपाचे, प्रचंड, ट्रांसपोर्ट विमान ग्लोबमास्टर, सी-130 जे सुपर हरक्यूलस, सी-295 ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था। उस दस दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास में केवल भारतीय वायुसेना के ही सभी वायुसेना स्टेशन शामिल हुए थे जबकि 'तरंग शक्ति' में दुनिया के कुछ प्रमुख देश भारतीय वायुसेना के साथ हिस्सा ले रहे हैं।

बहरहाल, 'तरंग शक्ति' वायु अभ्यास की मेजबानी करके भारत का लक्ष्य रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाना और अंतर्राष्ट्रीय रक्षा में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि तरंग शक्ति वायु अभ्यास के साथ भारत की रक्षा कूटनीति में उल्लेखनीय प्रगति होगी। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्यास के आयोजन का सबसे बड़ा लाभ यही है कि यह अभ्यास इसमें शामिल रहे देशों की वायु सेनाओं के बीच न केवल व्यावसायिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा बल्कि आधुनिक हवाई युद्ध तकनीकों में सीखने और सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। 'तरंग शक्ति' के आयोजन से भाग लेने वाले देशों के बीच लाभकारी संपर्क और सहयोग को बढ़ावा मिलने से भविष्य के रक्षा गठबंधनों का भी निर्माण होगा। 'तरंग शक्ति' अभ्यास के आयोजन का उद्देश्य उन मित्र देशों को एक साथ लाना है, जिनके साथ भारतीय वायुसेना नियमित रूप से बातचीत करती है और जिनके बीच एक निश्चित सीमा तक अंतर-संचालन क्षमता है।

बैतूल बनेगा अश्वगंधा उत्पादन का हब

बैठक में देवारण्य योजना को मिली नई दिशा

बैतूल। देवारण्य योजना के तहत बैतूल जिले में औषधि उत्पादन को लेकर बड़ी पहल की गई है। आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार 30 अगस्त को जिला आयुष अधिकारी कार्यालय में अहम बैठक हुई। इस बैठक में एक जिला एक औषधि उत्पाद पर मंथन करते हुए अश्वगंधा को जिले का मुख्य औषधीय पौधा चुनने का निर्णय लिया गया।इस बैठक में जिला योजना अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग के उपसंचालक, कृषि विभाग के उपसंचालक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, वन विभाग के विशेषज्ञ, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक और खंजनपुर के ऑर्गेनिक किसान नितेश जायसवाल मौजूद थे। बैठक में अश्वगंधा के साथ स्टिविया, ऐलोवेरा, आंवला, और नागरमोथा जैसे औषधीय पौधों पर भी चर्चा की गई, परन्तु सर्वसम्मति से अश्वगंधा को जिले के औषधि उत्पादन का आधार बनाने का सुझाव दिया गया।

रासेयो द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता के विद्यार्थी हुए पुरस्कृत, दिव्या, टीनू व चंचल क्रमशः रहे प्रथम तीन स्थान पर

बैतूल / शाहपुर - शासकीय महाविद्यालय शाहपुर में राष्ट्रीय सेवा

योजना के तत्वावधान में ऑनलाइन मोड में बुधवार को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। छात्रा इकाई प्रभारी नीतू जायसवाल माहोरे द्वारा विगत तीन हफ़्तों से सामान्य ज्ञान की अतिरिक्त कक्षाएं ली जा रही हैं, जिसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को सिविल सर्विस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाना है। इसके साथ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय क्विज का आयोजन किया जा रहा है , जिसकी तैयारी भी विद्यार्थियों द्वारा की जा रही है। बुधवार को शाहपुर महाविद्यालय में आयोजित इस परीक्षा में 74 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम 3 विजेताओं क्रमशः कुमारी दिव्या राठौर, टीनू धुर्वे, कुमारी चंचल राठौर के साथ-साथ टॉप 10 विद्यार्थीयों को भी पुरस्कृत किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को ई सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. ओम झा ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में डॉ. पवन सिजोरिया, डॉ. ज्योति वर्मा, डॉ सुभाष वर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई।

संगठन पर्व सदस्यता अभियान की कार्यशाला 2024 का आयोजन

बैतूल /भौंरा। संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 के तहत घोड़ाडोंगरी विधानसभा की कार्यशाला का आयोजन आज

सामुदायिक भवन भौंरा में किया गया। सर्वप्रथम कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी क छायाचित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित करके शुरू की गई। कार्यशाला को मुख्यरूप स भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, क्षेत्रीय विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके द्वारा सम्बोधित किया गया।

वनों की सुरक्षा के दौरान वीरगति प्राप्त करने वाले शहीदों को विभाग ने दी श्रद्धांजलि

वनकर्मी की स्मृति में बनवाया भवन, शहीदों के परिजन सम्मान पाकर हुए भावविभोर

बैतूल। वनों की रक्षा में अपनी शहादत देने वाले शहीद वन कर्मियों को बैतूल वन वृत्त स्थित वन विद्यायल में आज वन शहीद दिवस के मौके पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ पुष्प चक्र अर्पित कर श्रधांजलि दी गई । श्रधांजलि कार्यक्रम में आमंत्रित शहीद वनकर्मियों के परिजनों को शाल श्री फल देकर सम्मान भी किया गया ।इसके अलावा वन शहीद के नाम पर एक भवन का निर्माण भी किया गया है। दरअसल बैतूल वन वृत्त में अलग अलग वर्षो में वनों की रक्षा में लगे सात वन कर्मियों ने अपनी शहादत दी है उन्ही वन शहीदों के सम्मान में आज वन विद्यालय परिसर में शहीद वन कर्मियों के तेल चित्र पर सीसीएफ पीएन मिश्रा ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रधांजलि अर्पित की इस मौके ओर फॉरेस्ट गार्ड के दस्ते ने गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया ।इसके बाद सभी शहीद परिवारों के परिजनों को साल श्री फल देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में भोपाल से पहुंची शहीद वन कर्मी की पत्नी किरण शर्मा कहती है मेरे पति आमला रेंज में वन पाल के रूप में पदस्थ थे और उन्होंने वन सम्पत्ति की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए उनकी याद में दक्षिण वन मण्डल में एक हाल भी बनवाया गया है जो हमारे लिए हमेशा यादगार रहेगा ।

नकली खाद के मामले में अब तक नहीं हुई कार्रवाई

बैतूल/घोड़ाडोंगरी। घोड़ाडोगरी मे किसानों को नकली खाद गुजरात की कम्पनी के नाम से पैक की जा रही थी, जो कि खुद कृषि अधिकारी द्वारा रंगे हाथ पकड़ा गया था एवं अधिकारी द्वारा उसकी शिकायत रानीपुर थाना मे भी किया गया था। आज 28 दिन होने के बाद भी इस मामले मे अभी तक कोई कार्यवाही नही हुई है, वही मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसानो के साथ धोखाधड़ी करने वालो के खिलाफ कठोर कार्यवाही के आदेश दिया गए है, लेकिन घोड़ाडोगरी मे रंगे हाथो पकडाने पर भी कोई कार्यवाही नही होना कई सवाल खड़े करता है, ऐसा लगता है कि इस मामले मे किसी बड़ी राजनैतिक पार्टी का हस्तक्षेप होता दिख रहा है, क्योकि इतना

बड़ा मामला और वह भी रंगे हाथ पकड़ने पर भी खानापुर्ती होती नजर आ रही है । वही जानकारो ने बताया कि उक्त घटना की अभी तक सिर्फ एफआईआर ही हो पाई है एवं इसका आज तक चालान भी पेश नही हो पाया है। अब देखना है कि किसानो के साथ की गई धोखाधड़ी के खिलाफ कब तक ठोस कार्यवाही की जाएगी या फिर मामले को यूँ ही रफा-दफा कर दिया जाएगा।

कृषि अधिकारी ने की थी कार्यवाही

वरिष्ठ अधिकारी ने घोड़ाडोगरी के रेल्वे क्रासिंग के पास स्थित राईस मिल पर की थी कार्यवाही एग्रो प्रायवेट लिमिटेड बोथिया ब्राम्हणवाड़ा द्वारा निर्मित व मार्केटिंग की जाने वाली बिना बैच नंबर और पैकिंग डेट की धरनी धारा आर्गेनिक मेन्योर का अवैध रूप से भंण्डारा किया गया था।

इनका कहना है -

हमारे द्वारा सेम्पल जांच के लिए पोस्ट आफिस के माध्यम से लैब में भेजा गया है, उसकी जांच रिपोट आने पर ही आगे की कार्यवाही की जाएगी।

लालजी कासदे, कृषि विस्तार अधिकारी घोड़ाडोगरी, जिला बैतूल

सारनी में अवैध गुटखा पर प्रशासन का बड़ा एक्शन, संयुक्त टीम ने कई जगह मारा छापा

बैतूल/सारनी। अवैध गुटखा की बिक्री को लेकर आम आदमी पार्टी की ओर से किए गए खुलासे के बाद प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई की। पिछले कुछ दिनों से सारनी नगर पालिका क्षेत्र में चल रही सील ठप्पा गुटखा बिक्री की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, बैतूल जिले के कोटपा नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति सूर्यवंशी, खाद्य अधिकारी संदीप पाटिल और ड्रग इंस्पेक्टर डॉ. जॉन प्रवीण कुजूर के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में एक संयुक्त टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी की। प्रशासन ने इस छापेमारी में गुटखा की भारी मात्रा में सामग्री जब्त की, जो अवैध रूप से बेची जा रही थी। कार्रवाई के दौरान कोटपा एक्ट के तहत कड़ी सख्ती दिखाई गई और गुटखा संचालकों को चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा से अवैध बिक्री होती पाई गई, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी ने इस गंभीर मुद्दे को जनहित में उठाया था। उन्होंने सारणी सहित प्रदेशभर में अवैध गुटखा बिक्री से होने वाले स्वास्थ्य खतरों पर जोर देते हुए, प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की थी। अजय सोनी के अनुसार, अवैध गुटखा की बिक्री से मुंह के कैंसर जैसी घातक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इस मुद्दे को प्रमुख समाचार पत्रों में उठाने के बाद प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की, जिससे शहर के गुटखा माफिया में खलबली मच गई। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शहर के पान ठेले और गुटखा बिक्री से जुड़े अन्य लोग चौकन्ने हो गए हैं। उन्हें सख्त चेतावनी दी गई है कि अगर वे अवैध रूप से गुटखा बेचते पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे प्रकरण में, आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी की भूमिका बेहद अहम रही है, जिन्होंने जनहित में इस गंभीर मुद्दे को उठाया। अजय सोनी ने कहा, गुटखा माफियाओं के खिलाफ हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक प्रदेश

से पूरी तरह से यह अवैध धंधा खत्म नहीं हो जाता। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के नागरिक स्वस्थ रहें और गुटखा जैसी हानिकारक सामग्री से दूर रहें। इस कार्रवाई से जहां गुटखा माफिया में दहशत का माहौल है, वहीं शहरवासियों में राहत और संतोष का भाव है।

कई लोगों ने आम आदमी पार्टी की पहल की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि इस सख्ती से गुटखा की अवैध बिक्री पर लगाम लगेगी। सारणी में यह कार्रवाई गुटखा माफिया के खिलाफ एक बड़ा कदम साबित हो रही है, जिसमें आम आदमी पार्टी की सक्रियता और प्रशासन की सख्ती ने शहर को इस गंभीर खतरे से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

20 सितंबर को निकाली जाएगी प्रदेशव्यापी किसान न्याय यात्रा

राजकुमार केलू उपाध्याय संभालेंगे बैतूल जिले की जिम्मेदारी

बैतूल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आगामी 20 सितंबर को प्रदेशव्यापी किसान न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए बैतूल जिले की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राजकुमार केलू उपाध्याय को सौंपी है। जिला कांग्रेस कमेटी के जिले अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने बताया कि शराजकुमार केलू उपाध्याय जल्द ही बैतूल मुख्यालय पहुंचकर किसान न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए आवश्यक बैठकें आयोजित करेंगे। वह जिला कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक और अन्य कांग्रेस प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श कर तैयारियों की समीक्षा करेंगे। 20 सितंबर को आयोजित होने वाली किसान न्याय यात्रा को प्रदेशभर में सफल बनाने के लिए कांग्रेस ने व्यापक तैयारियां की हैं। प्रत्येक जिले में जिला स्तर पर आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत राजकुमार केलू उपाध्याय, बैतूल जिले में यात्रा की तैयारियों की निगरानी करेंगे और संबंधित नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार, किसान न्याय यात्रा में जिले के सभी कांग्रेस समर्थक पंच, सरपंच, जिला और जनपद पंचायत, नगरीय निकाय प्रतिनिधि, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ब्लॉक, नगर, मंडलम और सेक्टर कमेटियों के सदस्य, कांग्रेस सेवा दल, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, किसान कांग्रेस और कांग्रेस सोशल मीडिया आईटी सेल के कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने किसान न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए जिले के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और इसे सफल बनाने में अपना योगदान दें।

सचिव संघ ने सामूहिक अवकाश के लिए जनपद सीओ को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन के ब्लॉक बैतूल के सचिव द्वारा 6

सूत्रीय मांगो को लेकर जनपद बैतूल में ज्ञापन सौपा सचिव संघ के ब्लाक अध्यक्ष धनराज बदोड़े ने जनपद बव को सौपे ज्ञापन में बताया की जनपद पंचायत बैतूल द्वारा समय पर मासिक वेतन भुगतान नहीं किया जाना।

जनपद पंचायत बैतूल द्वारा मनरेगा योजना में लेबर प्रोग्रेस के नाम पर वेतन अनावश्यक कटौत्रा किया जाना। नवीन कार्यों की तकनिकी स्वीकृति प्रदाय नही किया जाना। सांसद, विधायक निधि के निर्माण कार्य जो पूर्ण हो चुके है, उनके बिलध्व्हाउचरों का भुगतान एवं अतिम किश्त का भुगतान नही किया जाना।

राधाष्टमी महोत्सव पर वृंदावन धाम बना बीजासनी माता मंदिर परिसर

बैतूल। बीजासनी माता मंदिर बैतूल गंज में राधाष्टमी का पर्व श्री राधा महारानी के जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम एवम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों के अथक प्रयासों से जो झांकियां बनाई गई थीं उनसे भक्तगणों एवं श्रद्धालु दर्शकों की निगाहें हटने का नाम ही नहीं ले रही थीं।। श्री राधा माता के बाल स्वरूप की दो झाकियां तैयार की गई हैं जिनमे एक में माता पालने में झूला झूल रही हैं तथा दूसरी झांकी में अत्यंत सुंदर स्वरूप में सभी को दर्शन दे रही हैं। इसके अलावा एक झांकी भांडेर वन गांव की बनाई गई है जहां गौ माता अपने बछड़े को मां की कुटिया के सम्मुख दूध पिला रही है। भांडेर वन के बारे में गर्ग संहिता में उल्लेख है कि यहां भगवान कृष्ण एवं राधाजी का विवाह हुआ था। साथ ही एक झांकी राधा कृष्ण जी की बनाई गई है जिसमे भगवान कृष्ण माता राधा जी को बांसुरी सुना रहे हैं। मंदिर परिसर की साज सज्जा एवं लाइटिंग देखते ही बन रही है। ठीक रात्रि 8 बजे से भजन संध्या प्रारंभ हुई तथा राधाजी एवं भगवान कृष्ण के भजनों से ऐसा समा बंधा की श्रद्धालु भक्ति में भावविभोर होकर नृत्य करने पर विवश हो गए।

राधाष्टमी के महत्व पर चर्चा करते हुए मंदिर समिति के संस्थापक एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष, साधक पंडित दीपक शर्मा ने बताया कि राधा जी के चरणों की भक्ति भगवान कृष्ण स्वयं भी करते हैं। इस संबंध में एक पौराणिक कथा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया की एक बार भगवान कृष्ण इतने अधिक बीमार हो गए कि कोई औषधि से ठीक नहीं हो पाए तब राधा जी के चरण धोकर वह चरणामृत उन्हें पिलाया गया तब वे स्वस्थ हुए। भजनों का कार्यक्रम रात्रि 12 बजे तक चला तथा ÷माई दे भवन ते फुलां दी बरखा ÷ इस भजन के साथ फूलो की वर्षा की गई तथा जन्मोत्सव मनाया गया जिसके उपरांत मिठाई, माखन मिश्री एवं केसर दूध का भोग लगाकर आरती हुई तथा प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर समिति ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी का आभार व्यक्त किया है।

सरकारी कॉलेज में रोजगार मेले का हुआ आयोजन

ज्ञान और कौशल रोजगार का सृजन करते हैं- नितिन महतो

बैतूल / शाहपुर - शासकीय महाविद्यालय शाहपुर में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत गुरुवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया।पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ हुनरमंद होना,आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्किल्ड युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 संकल्प में शामिल होने के लिए आगे आना होगा। मध्य प्रदेश सरकार और उच्च शिक्षा विभाग इस हेतु सतत सहयोग को तैयार है। उक्त विचार रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नितिन महतो के द्वारा व्यक्त किए गए। उन्होंने अपने उदबोधन में मेले के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 रोजगार परक शिक्षा देने के लिए ही तैयार की गई है। इस तरह के रोजगार मेले निरंतर विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करते रहेंगे।

प्लेसमेंट हेतु पांच कंपनियां हुई शामिल-प्रभारी प्राचार्य डॉ ओम झा ने बताया कि इस रोजगार मेले में नेशनल फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट छिंदवाड़ा, भारतीय जीवन बीमा निगम, जिज्ञासा माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड, सनराइज रुरल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन एवं बजाज एलियांज इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विद्यार्थियों को इंटरव्यू व शैक्षणिक योग्यता के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया।इस केंपस ड्राइव के संयोजक प्रो.अजाबराव इवने के अनुसार 129 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 23 युवाओं को प्रथम चरण के इंटरव्यू उपरांत शॉर्टलिस्ट किया गया। खबर लिखने तक इंटरव्यू जारी थे।

करियर काउंसलिंग पर हुई कार्यशाला-रोजगार मेले में जिला रोजगार कार्यालय बैतूल की ओर से करियर काउंसलर कैलाश वामनकर एवं इंद्र कुमार धुर्वे द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

शासकीय कर्मचारी से मारपीट मामले में कुनबी समाज उग्र, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

शासकीय कार्य में बाधा, जानलेवा हमला लेकिन मामूली धाराओं में मामला दर्ज पूरे जिले में उग्र आंदोलन की दी चेतावनी, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। नगर परिषद आठनेर के कैशियर पद पर कार्यरत दुर्गादास लोखंडे के साथ बीते 5 सितंबर को नगर परिषद कार्यालय में हुई बेरहमी से मारपीट को लेकर पूरे कुनबी समाज में जबरदस्त आक्रोश है। कुनबी समाज ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि यह मारपीट नगर के दबंग राजेन्द्र कालभोर, पप्पू नलगे, श्याम लगरो, अंकित जितप्रे और अन्य ने की। घटना के दौरान नगर परिषद कार्यालय के सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए थे, जिससे साफ है कि यह हमला एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया। कुनबी समाज का आरोप है कि इस घटना में नगर परिषद अध्यक्ष सुषमा मनोज जगताप, उपाध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में दुर्गादास लोखंडे पर हमला हुआ, लेकिन अब तक दोषियों पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं की गई। समाज ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। कुनबी समाज के मुताबिक, दुर्गादास लोखंडे के साथ हुई मारपीट में शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का भी मामला है। घटना के बाद पुलिस ने मामूली धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, जबकि समाज का कहना है कि इस तरह के गंभीर अपराध में गैर-जमानती धाराओं का इस्तेमाल होना चाहिए था। समाज का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के चलते पुलिस ने धारा 296, 115(2), 351(2), 3(5) के तहत मामूली धाराओं में ही मामला दर्ज किया है।

सीसीटीवी कैमरों को साजिश के तहत किया बंद --कुनबी समाज ने इस पूरे घटनाक्रम को एक बड़ी साजिश करार दिया है। घटना के दौरान नगर परिषद कार्यालय के सीसीटीवी कैमरों को बंद कर दिया गया था, ताकि मारपीट की फुटेज न मिल सके। घटना से पहले नगर परिषद अध्यक्ष सुषमा मनोज जगताप ने अपने कक्ष में दुर्गादास लोखंडे और अन्य लोगों को समझौते के लिए बुलाया था, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने ही उनके साथ मारपीट कर दी।

इस घटना के विरोध में कुनबी समाज ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर आठनेर में आक्रोश रैली निकाली। समाज के लोगों ने नगर में जुलूस निकालकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि इस घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। इस घटना पर नगर परिषद के अधिकारियों की चुप्पी ने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सीएमओ का कहना है कि उन्हें इस घटना की जानकारी चार दिनों तक नहीं दी गई।

यह बात तब सामने आई, जब एक कर्मचारी ने उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी। बावजूद इसके, सीएमओ ने घटना के बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाए और ना ही वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले की सूचना दी। कुनबी समाज ने चेतावनी दी है कि अगर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही नहीं की गई, तो समाज पूरे जिले में उग्र आंदोलन करेगा। समाज का कहना है कि इस घटना से पूरे कुनबी समाज में रोष है, और यदि जल्द ही उचित कार्रवाई नहीं की गई तो इसका जिम्मेदार प्रशासन होगा।

न्यायालय-आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम श्रम न्यायालय बैतूल मप्र.
विविध प्रकरण क्र.9/2024 डब्ल्यूसी एक्ट फैटल
सूचना - पत्र
सर्वसंबंधित को इस सूचना पत्र के द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रमिक मृतक नीलेश धुर्वे ग्राम-नसीराबाद थाना-चिचोली जिला-बैतूल की दिनांक 16-9-2021 को कार्य के दौरान मृत्यु होने से नियोक्ता दि ओरियंटल इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा क्षतिधन राशि रूपये 20,49453/- शब्दों में (**बीस लाख उन्चास हजार चार सौ तिरेपन**) मात्र जमा की गई है।
उक्त क्षतिपूर्ति धनराशि आवंटन बाबत् कार्यवाही हेतु श्रवण तिथि 16-10-2024 नियत की जाकर सूचित किया जाता है कि स्वयं को जो कर्मकार प्रतिकर अधिनियम के तहत उक्त मृतक का आश्रित व उनकी मृत्यु के एवज में इस न्यायालय में जमा क्षतिधन पाने का अधिकारी समझता हो, तो अपने साथ दो-दो अभि प्रमाणित फोटो, दो गवाह, राशन कार्ड, वेबिंग खाता, बैंक पासबुक की मूल व फोटोप्रति साथ लावे तथा आवेदन के साथ नियत पेशी तिथि 16-10-2024 को प्रातः 11 बजे प्रस्तुत करें।
प्रकरण में जमा क्षतिधन आवंटित ना करने बाबत स्थगन प्राप्त हो या किसी प्रकार से आपत्ति हो तो भी उक्त तिथि को पेश करें। उक्त श्रवण तिथि व्यतीत होने के पश्चात् किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 9-9-2024 को न्यायालय की मुद्रा एवं हमारे हस्ताक्षर द्वारा जारी किया गया।
(महेन्द्र सैनी), आयुक्त कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, बैतूल मप्र.

13 सितम्बर को श्री शिव छत्रपति गणेश मंडल में योगेश रणमाले पुणे देंगे प्रस्तुति

देवास। श्री शिव छत्रपति गणेश मंडल द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणेशोत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 13 सितम्बर को संगीत सरिता का आयोजन होगा। जिसमें योगेश रणमाले एवं सहयोगी, पुणे द्वारा सुगम संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। योगेश रणमले संगीत के क्षेत्र में एक परिचित नाम हैं जो शास्त्रीय और सुगम संगीत में 15 वर्षों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। उन्होंने बीएससी, बी.एड., इसके उपरांत ए.बी. जी.एम. मिरज (संगीत विश्वविद्यालय) से संगीत विषारद की डिग्री प्राप्त की है। भारत भर मे योगेश ने सुगम संगीत के अनेक कार्यक्रम दिए है और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इनकी विशेषता भजन, गजल, भक्तिगीत, खुद के कम्पोज किए हुए कबीर और निर्गुणी भजन है। जिनकी प्रस्तुति उन्होंने देश के विभिन्न बड़े शहरों जैसे रामेश्वरम, काशी विश्वनाथ मंदिर, तिरूपती बालाजी मंदिर, गुरूवायु टेम्पल केरल आदि जगह दी है। आप आकाशवाणी के भी कलाकार हैं। आपको स्वर संगम अवार्ड मिला है। आपने मराठी फिल्म युंटुम के लिए पार्श्व गायन किया और जी मराठी सा रे गा मा पा जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जहां उन्हें प्रथम विजेता और फाइनलिस्ट के रूप में सम्मान मिला। उन्होंने टीवी 9 मराठी श्रृंखला माजा कुलदैवत के लिए शीर्षक गीत गाया है और अपने स्व-रचित संगीत कार्यक्रम अठवनिंच्या वटेवर के माध्यम से मराठी गजल और गीत प्रस्तुत करते हैं। उनकी आवाज और संगीत की प्रतिभा ने उन्हें संगीत जगत में एक विशेष स्थान दिलाया है।

इसी दिन घुंघरू नृत्य संगीत महाविद्यालय देवास की बालिकाओं द्वारा श्री गणेश वंदना भी प्रस्तुत की जाएगी।

लाल गेट के राजा के खुशियों भरे 10 दिन

देवास। संस्था सिद्धीविनायक द्वारा आयोजित लाल गेट के राजा महोत्सव 2024 पूरी धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है । दर्शन करने न केवल शहर के बल्कि आसपास के कई जिलों के भी लोग प्रतिदिन लाल गेट के राजा के दर्शन करने हेतु आ रहे हैं। संस्था सिद्धीविनायक के संयोजक रवि जैन ने बताया कि पूरा महोत्सव खुशियों भरे 10 दिन की थीम पर आधारित है। लाल गेट के राजा की मनोहरी प्रतिमा, पूरे प्रांगण की आकर्षक साज सज्जा, प्रतिदिन होने वाली संगीतमयी आरती, भजन संध्या व अन्य कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में भक्तगण शामिल हो रहे है, संस्था सिद्धीविनायक के सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की पूरी टीम सम्पूर्ण व्यवस्था संभाले हुए रहती है। 11 सितम्बर 24 की आरती जिलाधीश ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति, नगर निगम कमिश्नर रजनीश कसेरा जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। पंचम दिवस की इस आरती में दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ उदय आरस, पत्रिका के ब्यूरो चीफ आदर्श ठाकुर, देवास लाइव के संपादक सौरभ सचान सहित कई गणमान्य नागरिकों ने लाल गेट के राजा की आरती का पुण्य लाभ प्राप्त किया। आरती के विशेष लाभार्थी डॉ अजय करकरे, डॉ अपर्णा करकरे, दीपक सोनी, रेणु सोनी डीव्हीजे ज्वेलर्स, पंकज पांडे, प्रियंका भाटिया, सीईओ, आराध्या डेवलपर्स, रहे।

राज्य स्तरीय विज्ञान मेला में जिले के सीएम राइज विद्यालय नरसिंहपुर रहा प्रथम स्थान पर

नरसिंहपुर। राज्य शिक्षा केंद्र मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा जबलपुर में राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में सीएम राइज एस डी एम नरसिंहपुर प्राचार्य प्रभात मिश्रा के मार्गदर्शन में छात्रा अंशिका पटेल कक्षा 12वीं मार्गदर्शी शिक्षक श्री महेन्द्र सिंह लोधी द्वारा गणितीय प्रतिरूपण पर आधारित थेल्स प्रमेय की अवधारणा और अनुप्रयोग को प्रदर्शित करने वाले माडल ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अपर कलेक्टर ने किया ककराघाट एवं झिकौली घाट का निरीक्षण

नरसिंहपुर। अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह ने गुरूवार को नर्मदा नदी के ककराघाट एवं झिकौली घाट का निरीक्षण किया। विदित है कि ज़िले में हुई अतिवर्षा के कारण नदी के सभी तटों पर जलस्तर बढ़ गया है। घाटों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि नर्मदा नदी जल प्रवाह अधिक होने के कारण तटवर्ती इलाक़े में होमगार्ड, पुलिस, राजस्व एवं पंचायत विभाग का अमला चौबीस घंटे निगरानी रखें। किसी भी स्थिति में आवागमन नहीं हो। इसके लिए टीम तैयार कर ली जाये। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये।

कैलाश जी 'बहुत आशाएं देख रही है राजा भोज की नगरी' आप में

उत्सव – उमंग सी छटा– पलके बिछाकर ऐतिहासिक स्वागत किया उत्सव नगरी ने जन नेता 'कैलाश' का.....

(राजेश शर्मा)

इंदौर में 51 लाख पौधों का रोपण कर विश्व रिकॉर्ड कायम करवा कर 'कैलाश जी ' ने दृढ़ संकल्प- इच्छा शक्ति और जुनून का अप्रतिम उदाहरण पेश कर देश और दुनिया में इंदौर- इंदौरियंस और कैलाश विजयवर्गीय की अनूठी छाप बिखेरी.... सच कठिन से कठिन चुनौतियों - विषम परिस्थितियों में जो लक्ष्य हासिल करते है सही मायनों में वो ही असली 'जन नेता ' जन नायक कहलाते है... बीते दिनों देश और दुनिया ने इसे स्पंदन किया... आज चहुंओर संकल्प से सिद्धी की चर्चा है तो संकल्प को सिद्ध कर आज प्रदेश खासकर मालवा- निमाड़ अंचल जिस शख्स को आशा भरी निगाह से देख रहा है वह भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव- पश्चिम बंगाल चुनाव से लेकर अपनी अनूठी प्रबंधन- प्रशासनिक - सांगठनिक शैली के लिए चिर परिचित कैलाश विजयवर्गीय है... जिला सरकार के मुखिया अर्थात् जिले के प्रभारी मंत्री बनने के बाद पहली बार गुरूवार को 'त्रिलोकीनाथ बाबा धारनाथ' की पावन धरा में आगमन पर सजी- संवरी ऐतिहासिक राजा भोज की नगरी ने कैलाश विजयवर्गीय का ऐतिहासिक स्वागत किया।

स्वागत की छटा निराली सी मानों 'कैलाशमय' नजर आ रही थी उत्सव और उल्लास की नगरी.... भौगोलिक रूप से मध्यप्रदेश के बड़े जिलों में शुमार लेकिन दुर्भाग्य से पिछड़े जिलों में शुमार धार जिला आप में बहुत संभावनाएं देख रहा है... प्रदेश के बड़े नेता- जनाधार और सर्वमान्य है आप सो उम्मीद है धार जिले और जिले के बाशिंदों को... एशिया का डेट्रोइट पीथमपुर और प्रचुर संसाधनों और संभावनाओं के बाद भी पिछड़ेपन का दुर्भाग्य इस जिले के माथे पर है।

धार जिले के समग्र विकास की महती आवश्यकता

जिले के आर्थिक विकास के संकेतांक अभी और सुधार की आवश्यकता पर बल दे रहे है। औद्योगिक नगरी पीथमपुर धार जिले में स्थित होने के बाद भी धार जिला विकास की बाट जोह रहा है, खासकर ग्रामीण विकास महज फाईलों में ही दिखाई देता है। प्रदेश की प्रगति में अपना योगदान देने वाले धार जिले के समग्र विकास की महती आवश्यकता है।

शिक्षा- स्वास्थ्य के पैरामीटर में सुधार की आवश्यकता.....

प्रचुर जनसंख्या और बड़े भौगोलिक क्षेत्र वाले इस जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के पैरामीटर चिंता और चिंतन के स्वर है। शिक्षा और स्वास्थ्य बुनियादी आवश्यकता है सो

इसे पटरी पर लाना जिले के सेहत के लिए जरूरी है।

रोजी -रोटी और रोजगार के लिए पलायन चिंताजनक.....

पीथमपुर में बड़े - बड़े निवेशक निवेश कर रहे है- उद्योगों का जाल बिछ रहा है लेकिन स्थानीय लोगों से रोजगार आज भी दूर है। रोजी -रोटी और रोजगार के हजारों - हजार की संख्या में पलायन करते आंकड़े जिले की सूरत और सीरत के चिंता पैदा करते है।

मेट्रोपालिटन अथॉरिटी में धार के शामिल होने से बहुत से आशाएं हैं कैलाश जी से....

ताजातरीन नव प्रयोग 'इंदौर- उज्जैन- देवास और धार को मिलाकर मेट्रोपालिटन अथॉरिटी' के बनने से उज्जैन, देवास और धार को इंदौर से जुड़ने से ना केवल समग्र विकास होगा बल्कि ये क्षेत्र भी कल - कल करते हुए विकास की गाथा लिखेंगे। मेट्रोपालिटन अथॉरिटी बनने से ना केवल धार का इंडस्ट्रियल कारिडोर तेजी से विकसित होगा इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यहां देश और दुनिया की बड़ी- बड़ी इंडस्ट्री और निवेशक यहाँ बड़ा निवेश करेंगे.. स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेगे। कुल मिलाकर यह संभावनावान जिला कैलाश विजयवर्गीय में नयी संभावना देख रहा है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने नर्मदा तटीय इलाकों में बाढ़ की संभावनाओं का लिया जायजा

सुबह सवेरे सोहागपुर । सोहागपुर नगर का ग्रामीण क्षेत्र नर्मदा नदी के तटीय इलाकों में बसा होने के कारण सोहागपुर के प्रशासनिक अधिकारी हमेशा वर्षाकाल में सजग रहते हैं। इसी संदर्भ को लेकर आज अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन ने दल बल के साथ नर्मदा नदी के किनारे बसे ग्रामों का जायजा लिया। इस अवसर पर सीईओ संजय अग्रवाल,आर आई पटवारी आदि साथ थे। अधिकारियों ने नर्मदा नदी तट के ग्राम रेवा बनखेड़ी, पामली, रामनगर आदि में भ्रमण करके स्थिति की जानकारी ली । अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन ने संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इधर तहसीलदार अल्का एक्का ने भी नर्मदा नदी के किनारे बसे ग्रामों मदनपुर, भटगांव,अजेरा, भानपुर, गलचा आदि ग्रामों का दौरा किया। आपने इस प्रतिनिधि को बताया कि क्षेत्र की

स्थिति सामान्य है। फिर भी प्रशासन स्थित का नजर रख रहा है। आपने आगे बताया कि नर्मदा नदी के किनारे बसे ग्रामों में प्रशासन मुनादी भी करवा रहा है कि बाढ़ आने की स्थिति में ग्रामवासियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाएगा।

नर्मदा नदी के तट पर बसे भटगांव में बाढ़

सुबह सवेरे सोहागपुर । नगर से करीबन 16किलोमीटर दूर नर्मदा नदी के तट पर बसे ग्राम भटगांव में बाढ़ की संभावना बलवंती होती जा रही है। ग्राम सरपंच सुधीरसिंह ठाकुर ने इस प्रतिनिधि को बताया कि हमारा ग्राम भटगांव नर्मदा नदी के तट पर बसा हुआ है। इस कारण हमें प्रति वर्ष सजग रहना पड़ता है।इस साल नर्मदा नदी के जल से हनुमान मंदिर में

पानी भर गया है। इसके अलावा भटगांव में करीबन तीस से अधिक एकड़ भूमि नर्मदा नदी के जल से डूब गई है। हमने नागरिकों के सुरक्षित स्थानों का चयन कर लिया है।हम किसी भी आपदा नजर रखे हुए हैं। इसी संदर्भ को लेकर तहसीलदार अल्का एक्का ने भी ग्राम पहुंच कर जायजा लिया है। वहीं सचिव बृजेश धुर्वे,जीआरएस कमलेश विश्वास, पटवारी राकेश तिवारी के अलावा प्रशासन ने दो सचिवों की टीम भी तैनात की हैं।

स्वच्छता ही सेवा प्रसंग को लेकर बैठक संपन्न

सुबह सवेरे सोहागपुर। मप्र जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत अभियान टीएससी समंवयक नवांकुर,मेंटर की उपस्थिति में 'स्वच्छता ही सेवा' 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान की तैयारी का जायजा लिया। श्री तिवारी ने कक्षा संचालन में छात्रों की उपस्थिति एवं छात्रों को अभियान से जोड़ने पर विस्तृत उद्बोधन दिया। आपने आव्हान किया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाए। इसी क्रम में विकास खंड समन्वयक किशोर कड़ोले ने विकास खंड का प्रतिवेदन एवं कार्यक्रम की कार्ययोजना ब्यौरा प्रस्तुत किया। बैठक में मेंटर श्याम मीना, गजेंद्र ठाकुर, सचिन विश्वकर्मा, मंजु पंवार नवांकुर से संदेश मिश्रा, कमल किरार, पुष्पेंद्र पटेल आदि उपस्थित थे।

14 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनेगा स्वच्छता सेवा पखवाड़ा, एसडीएम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

सुबह सवेरे सोहागपुर । सरकार के निर्देशन पर प्रदेश में 14 सितंबर से 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती तक मनेगा स्वच्छता सेवा पखवाड़ा।इसी संदर्भ को लेकर आज नगर पंचायत परिषद सभागार में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व असवनराम चिरामन की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा, नायब तहसीलदार पूनमसिंह सलामे, ब्लाक मेडीकल आफीसर डॉक्टर संदीप किरकट्टा, बीईओ आर.बी. चौधरी, बीआरसीसी राकेश रघुवंशी, एसएडीओ सुनील कुमार बर्दे, आर. एच.ई.ओ. दुर्गेश चंद्र बरोडे, मंडी सचिव हेमवती ठाकुर, आईसीडीएस सुपरवाइजर रितु मेहरा,खेल समन्वयक चंदा मिश्रा, उप स्वच्छता निरीक्षक अमित परसाई एवं नीरज मलैया आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर

अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन ने कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि समस्त विभागों को शासन से प्राप्त निर्देशानुसार गतिविधियां आयोजित करने तथा अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास होने चाहिए।

स्वभाव एवं संस्कार स्वच्छता की थीम के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया जाना है । जिसमें स्वच्छता के मुख्य तीन स्तंभ स्वच्छता की भागीदारी के अंतर्गत

'एक पेड़ मां के नाम' कचरा पृथक्करण का प्रदर्शन स्वच्छता संवाद- इसमें स्वच्छ विद्यालय संवाद , संपर्क स्वच्छता रैली,मोहल्ला सभा के अलावा स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिताएं की गतिविधियां संपन्न होगी। द्वितीय द्वितीय स्तंभ में संपूर्ण स्वच्छता एवं स्वच्छता लक्षण इकाई के अंतर्गत ब्लैक स्पॉट का चिंतन ,ब्लैक स्पॉट को पोर्टल पर दर्ज करना एवं अंगीकार करके सौंदर्यकरण करना। तृतीय स्तंभ में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर के अंतर्गत सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच के अलावा कार्य के अवसर पर सावधानियों पर क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आदि सम्मिलित है।

छात्र-छात्राओं को ना तो साइकिल मिली ना ही स्कूटी- कांग्रेस ने उठाया सवाल

देवास। शिवराज सिंह सरकार ने अपनी सरकार बचाने एवं प्रदेश में भाजपा सरकार बनाए रखने को लेकर बिना प्रदेश की आर्थिक स्थिति के आकलन किए अनेक ऐसी योजनाएं संचालित कर दी, जिन्हें आज पूरा करना भाजपा सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है। शिवराज सिंह प्रदेश में अपनी सरकार बनाने में तो कामयाब रहे लेकिन पूरे प्रदेश को आर्थिक भार में भरकर चले गए। आज प्रदेश में सरकार चलाने के लिए डॉ. मोहन यादव को लगातार कर्ज लेना पड़ रहा है। प्रदेश में करीब 21000 हजार करोड़ का कर्ज सरकार पर हो चुका है। सरकार की मजबूरी है कि जो योजनाएं शुरू की है उन्हें किन्हीं भी हालात में शुरू रखा जाए।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी व कार्यकारी अध्यक्ष, प्रवक्ता सुधीर शर्मा ने बताया कि शिवराज सिंह सरकार ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं से वादा किया कि जो छात्र-छात्राएं परीक्षा में प्रथम श्रेणी में पास होंगे, उन्हें स्कूटी एवं दूर-दराज से आने वाले छात्र छात्रों को साइकिल दी जाएगी। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए दो माह से अधिक हो चुका है, लेकिन सरकार आज तक छात्र-छात्राओं को साइकिल नहीं दे पाई। वहीं 12वीं क्लास में प्रथम श्रेणी में पास हुए छात्र-छात्राओं को स्कूटी भी नहीं मिली।

देवास विकासखंड के देवास, सोनकच्छ, हाटपिपलिया, बागली, खातेगांव के नौवीं क्लास के छात्र छात्रों ने करीब 6940 ने साइकिल के लिए आवेदन दिया था उसमें से 4834 छात्र-छात्रों का चयन साइकिल के लिए किया गया, लेकिन आज तक किसी भी छात्र-छात्रा को साइकिल नहीं मिली। वहीं स्कूटी को लेकर भी शिक्षा विभाग ने शासन को प्रस्ताव बनाकर भेजा है लेकिन स्कूटी नहीं मिली।

वहीं इस संदर्भ में सूत्रों से पता चला है कि जिन छात्र छात्राओं ने 12वीं में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे उन्हें लैपटॉप के लिए प्रदेश भाजपा सरकार के द्वारा 25000 हजार रुपए की राशि दी जाती है,

लेकिन वह भी आज तक उन्हें नहीं मिली है।

साथ ही 12वीं के बाद पढ़ने वाले होनहार छात्र छात्रों के लिए प्रदेश सरकार ने मेधावी छात्र योजना प्रारंभ की है, जिसके अंतर्गत प्रदेश सरकार छात्र-छात्राओं की आर्थिक मदद करते हुए स्कूलों में उनकी फीस जमा करती है लेकिन वह फीस भी अभी तक स्कूलों में जमा नहीं करने से अभिभावकों को वह राशि जमा करना पड़ रही है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हम यह नहीं कह रहे हैं की लाडली बहना योजना बंद की जाए लेकिन आज प्रदेश में संचालित लाडली बहना योजना सरकार के लिए गले की हड्डी बन चुकी है। सरकार उक्त योजना अब बंद करने की स्थिति में भी नहीं है यह योजना संचालित करने के लिए दूसरी योजनाओं में पैसा सरकार भेज नहीं पा रही है, वहीं अनेक विभागों में दो-दो तीन-तीन माह तक कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। इन योजनाओं का पैसा इकट्ठा कर सरकार हर माह लाडली बहना योजना में डाल देती है। इसके दुष्परिणाम यह हो रहे हैं कि दूसरी योजनाएं प्रभावित हो रही है और जिन योजनाओं के जो लोग हकदार हैं या जिन योजनाओं की जिन्हें जरूरत है उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार छात्र-छात्राओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें शीघ्र ही साइकिल, स्कूटी एवं अपने वादे अनुसार लैपटॉप दिलवाए।

14 सितम्बर 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

नरसिंहपुर। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री कमल जोशी के मार्गदर्शन में दिनांक 14 सितम्बर 2024 को जिला न्यायालय नरसिंहपुर एवं तहसील न्यायालय क्रमशः गाडरवारा, तेंदूखेड़ा एवं गोटेगांव में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। जिले में नेशनल लोक अदालत की 23 खंडपीठों का गठन किया गया। जिसमें जिला न्यायालय नरसिंहपुर मे 12 खंडपीठ, सिविल न्यायालय गाडरवारा में 08 खंडपीठ, सिविल न्यायालय गोटेगांव में 01 खंडपीठ, सिविल न्यायालय तेंदूखेड़ा में 01 खंडपीठ एवं नगर पालिका परिषद करेली की 01 खंडपीठ के माध्यम से राजीनामा योग्य जैसे राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल प्रकरण, चैक बाउंस के मामले, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, परिवार न्यायालय के प्रकरण, विद्युत विभाग, बैंक, बीएसएनएल आदि के प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। जिसमे लंबित 4954 प्रकरण एवं प्रीलिटिगेशन के 12552 प्रकरण रेफर किये गये है।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

दुधारू 'सांची' को केन्द्र की झोली में डालकर किसे होगा लाभ

प्रदेश के दूध उत्पादन ब्रांड सांची का संचालन और प्रबंधन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को सौंपने के फैसले से किसे लाभ होगा? इस मामले में कई 'हितग्राही' हैं। इनमें एक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी हैं। सांची दुग्ध प्लांट का संचालन राष्ट्रीय डेयरी बोर्ड को देने के फैसले से वे केन्द्रीय नेतृत्व के और करीब होंगे। दूसरे हितग्राही वे आईएएस अफसर हैं,जो डेयरी विभाग से जुड़े हुए हैं। इनमें भारत सरकार में डेयरी विभाग की सचिव अलका उपाध्याय भी हैं। तीसरे हितग्राही दूध उत्पादन करने वालीं सहकारी समितियों के सदस्य हैं। इन सभी का जिससे हित जुड़ा हुआ है,वह अमूल दूध ब्रांड हैं। जिसे इस फैसले से सबसे ज्यादा लाभ होने वाला है। मध्यप्रदेश में अमूल ब्रांड यदि अब तक स्थापित नहीं हो पाया है तो इसकी बड़ी वजह सांची ब्रांड है। सांची का संचालन डेयरी बोर्ड के हाथ में आने के बाद अमूल,सांची के प्लांट में अपना ब्रांड तैयार कराएगा। अमूल को सांची का स्थापित बाजार भी अपने हाथ में लेने का सुनहरा मौका मिलेगा।

सांची का प्रबंधन और संचालन बोर्ड को सौंपने का फैसला लेने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार की सुबह दिल्ली चले गए। वहां उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की इस मुलाकात के बारे में आधिकारिक तौर पर बताया गया कि पशुपालन,डेयरी और किसान हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह सहकारिता विभाग के मंत्री भी हैं। देश में दूध संकलन का काम सहकारी समितियों के माध्यम से ही होता है। इसकी शीर्ष सहकारी समिति डेयरी फेडरेशन है। मध्यप्रदेश के सहकारिता कानून से डेयरी फेडरेशन या दुग्ध संघों का प्रबंधन एवं संचालन किसी अन्य को नहीं सौंपा जा सकता है। संभवतः यही कारण है कि सांची को राष्ट्रीय डेयरी बोर्ड को सौंपे जाने के फैसले के साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट कर दिया कि जहाँ कानून में बदलाव करना होगा किया जाएगा।

मध्यप्रदेश सरकार का यह फैसला अनेक हितग्राहियों से न जुड़ा होता तो प्रमुख सचिव गुलशन बामरा को डेयरी विभाग से हटाया भी न जाता। गुलशन बामरा से पशुपालन एवं डेयरी विभाग की जिम्मेदारी लेकर सरकार ने ई.रमेश कुमार को दी है। ई. रमेश कुमार 1999 बैच के आईएएस हैं। वे केन्द्र में भी पशुपालन विभाग में रह चुके हैं। ई.रमेश कुमार, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत के करीबी हैं। गहलोत जब केंद्र में मंत्री थे,तब ई. रमेश कुमार उनके निज सचिव के पद पर पदस्थ थे। गहलोत की नजदीकी भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से छुपी हुई नहीं हैं। सांची दुग्ध उत्पादन के फैसले से जुड़ी आईएएस अधिकार 'अलका उपाध्याय' हैं। वे केंद्र में पशुपालन,मछली पालन और डेयरी विभाग की सचिव

हैं। वे 1990 बैच की अधिकारी हैं। सांची का राष्ट्रीय डेयरी बोर्ड को सौंपने का फैसला जिस बैठक में लिया गया उसमें अलका उपाध्याय भी मौजूद थीं। अलका उपाध्याय 2016 से केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं। उनका रिटायरमेंट मई 2026 में होगा। मध्यप्रदेश में मुख्य सचिव के नाम का फैसला अगले कुछ दिनों में होना है। मुख्य सचिव पद के लिए जिन अधिकारियों के नामों की सबसे ज्यादा चर्चा है वे सभी 1990 बैच के अधिकारी हैं। वरिष्ठता क्रम में अलका उपाध्याय का नाम बैच में सबसे नीचे है।

बताया जाता है कि प्रमुख सचिव गुलशन बामरा जिन प्रस्तावों पर सहमत नहीं थे वे जॉइंट वेंचर में उत्पादन प्लांट स्थापित करना, अमूल के एक्सपर्ट की सेवाएं सांची में प्रतिनियुक्ति पर लेना, अमूल से सलाहकार सेवाएं लेना आदि प्रमुख है। । मप्र में कम दूध उत्पादन वाले क्षेत्रों में प्रस्ताव था कि दूध की खरीदी और स्टोरेज का काम सांची करे और प्रोसेसिंग-मार्केटिंग का काम अमूल करे। फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाईजेशन के गठन का भी प्रस्ताव था।। मध्य प्रदेश में डेयरी फेडरेशन का गठन भी गुजरात के आणंद की त्रिस्तरीय सहकारिता के मॉडल को अपनाकर ही किया गया है। अमूल की तरह सांची ब्रांड ने मध्यप्रदेश के बाहर अपने पांव फैलाने की कोशिश नहीं की। गुजरात में अमूल दूध का उत्पादन समूल ब्रांड के प्लांट में होता है। सांची से पहले अमूल, गुजरात के 'समूल' ब्रांड पर कब्जा कर चुका है। वर्तमान में 'समूल' का सिर्फ छाछ ही बाजार में आता है। अमूल ने कुछ समय पहले उज्जैन में अपना प्लांट स्थापित किया है। उज्जैन के आसपास के इलाकों में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन होता है। उज्जैन, तराना और रतलाम का मावा भी काफी प्रसिद्ध माना जाता है। अमूल ने संभवतः इस वजह से उज्जैन को प्लांट लगाने के लिए चुना है।

राष्ट्रीय डेयरी बोर्ड दिसंबर 2021 से वाराणसी दुग्ध संघ का प्रबंधन कर रहा है। लोकसभा चुनाव के वक्त वाराणसी में गुजरात फैक्टर के कारण वोटर में जिन कारणों से नाराजगी देखी गई थी,उसमें दुग्ध संघ संचालन का काम राष्ट्रीय डेयरी बोर्ड द्वारा किया जाना भी है। कर्नाटक के चुनाव में भी अमूल बनाम नंदनी की लड़ाई देखी गई थी। यही स्थिति मध्यप्रदेश में भी बन सकती है। राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। राष्ट्रीय डेयरी बोर्ड का मुख्यालय आणंद गुजरात में है। इसके अध्यक्ष डॉ.मीनेश सी. शाह हैं। सांची का प्रबंधन और संचालन अमूल को सौंपने का फैसला इसी साल जनवरी में हुए गुजरात वाइब्रेंट समिट में लिया जा चुका था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समिट में शामिल हुए थे। प्रबंधन और संचालन सौंपने का अर्थ यह है कि फेडरेशन में काम करने वाले लोग गुजरात के भी हो सकते हैं।

दतिया में 400 साल पुरानी दीवार गिरी, 7 की मौत

5 मृतक एक ही परिवार के, दो रिश्तेदार; करीब 7 घंटे चला रेस्क्यू

दतिया (नप्र)। दतिया में राजगढ़ किले के नीचे के हिस्से वाली 4 सौ साल पुरानी दीवार ढहने से 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के 5 सदस्य शामिल हैं। बाकी दो लोग परिवार के मुखिया की बहन और बहनोई हैं। मलबे में 9 लोग दबे थे। पड़ोसियों ने 2 को सुरक्षित निकाल लिया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े 3 बजे तेज आवाज आई। लोग बाहर निकले तो देखा कि किले की दीवार गिर गई है। मलबे में दबे दो लोगों को तत्काल बाहर निकालकर हॉस्पिटल भेजा गया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर करीब साढ़े 5 बजे कलेक्टर संदीप मकीन, एसपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा, कोतवाली टीआई धीरेंद्र मिश्रा और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंचे।

हादसे के करीब 9 घंटे और करीब 7 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में मलबे से 7 शव निकाले गए। कलेक्टर संदीप मकीन ने घटना पर दुख जताते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। 30 घंटे की लगातार बारिश से दीवार कमजोर हो गई थी। जो गुरुवार तड़के ढह गई।

हादसे में इनकी गई जान- हादसे में निरंजन वंशकार, उनकी पत्नी ममता, बेटी राधा, दो बेटे सूरज और शिवम समेत निरंजन की बहन प्रभा और बहनोई किशन पिता पन्ना लाल की मौत हो गई। किशन ग्वालियर का रहने वाला था और करीब 15 साल पहले ससुराल में ही बस गया था।

दो घायल अस्पताल में भर्ती- हादसे में निरंजन के दूसरे बहनोई मुन्ना पिता खित्ते वंशकार और उनका बेटा आकाश घायल हुए हैं। दोनों के सिर और पैरों में चोट है। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने जताया दुख- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना पर दुख जताया है।

एक साथ 7 शवों का अंतिम संस्कार- दतिया में दीवार गिरने से जिन 7 लोगों की मौत हुई, उन सभी का अंतिम संस्कार एक साथ हुआ। पोस्टमार्टम के बाद सभी 7 शवों को ग्वालियर रोड पर स्थित सखी बाबा मुक्ति धाम में लाया गया। जहां लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। इस दौरान कलेक्टर और एसपी भी मौजूद रहे। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

6 जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

बाढ़ से घिरा डबरा, जबलपुर एयरपोर्ट की बाउंड्रीवाल ढही, रायसेन में बेतवा पुल पर 4 फीट पानी

भोपाल (नप्र)। एमपी में कोटे से ज्यादा बारिश हो चुकी है। अभी बारिश का सबसे स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। प्रदेश के कई जिलों में बारिश हो रही है। लगभग सभी डैम फुल हैं और नदियां उफान पर हैं। पिछले 24 घंटे में ग्वालियर में 8 इंच और भोपाल में ढाई इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है।

डबरा कस्बा और सेकरा गांव बाढ़ से घिर गया है। स्थानीय प्रशासन बाढ़ में फंसे 400 लोगों को निकाल चुका है। डबरा की पूर्व विधायक इमरती देवी ने बताया सेकरा, सरबा, सिरसा, मितगन, नंदू का डेरा, कैथोदा सहित करीब 10 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। डबरा शहर में ही कई इलाकों में लोग प्रभावित हैं। वहीं भितरवार विधायक मोहन सिंह राठौर ने बताया कि क्षेत्र में पार्वती नदी उफान पर है। 30 से ज्यादा गांव प्रभावित हैं। डबरा कस्बा बाढ़ से घिरा हुआ है। एनडीआरएफ की टीम फंसे लोगों को एयरलिफ्ट करेगी।

जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट की दीवार ढही- जबलपुर में डुमना एयरपोर्ट की दीवार का 25 फीट हिस्सा बारिश के चलते ढह गया। इससे रनवे पर जानवरों के घुसने का खतरा पैदा हो गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी का कहना है कि दीवार बनाने का काम शुरू कर दिया गया। टीकमगढ़ में धसान नदी में फंसे दो लोगों को 24 घंटे बाद सुरक्षित बचा लिया गया। उज्जैन से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉल पर उनसे बात की।

भिंड में तीन नदियां खतरे के निशान पर, 50 गांवों में अलर्ट- इधर, भिंड में क्वांरी, सांक और सिंध नदी खतरे के निशान पर बह रही हैं। 50 गांवों में अलर्ट है। नर्मदापुरम में नर्मदा नदी खतरे के निशान से 7 फीट नीचे बह रही है। इंदिरा सागर बांध के 12, ओंकारेश्वर बांध के 11 गेट और मड़ीखेड़ा डैम के 4 गेट से पानी छोड़ा जा रहा है। भोपाल में केरवा के 3, कलियासोत के 2 और भदभदा का 1 गेट खुला है। लहार में तेज बारिश से कच्चे मकान की दीवार गिर गई। दबने से गणेशराम तिवारी (38) की मौत हो गई। 10 साल की भूमि तिवारी घायल है। टीकमगढ़ में तेज बारिश से बरेठी गांव में लोगों के घरों में पानी भर गया। आज भिंड, शिवपुरी, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन और सागर में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत 29 जिलों में भारी बारिश के आसार हैं।

ग्वालियर में अब तक 40 इंच बारिश- अबकी बार मानसून में बारिश से अछूते रहे ग्वालियर में पिछले 24 घंटे के भीतर 8 इंच पानी गिर गया। इसे मिलाकर अब यहां 40 इंच से ज्यादा पानी गिर गया है। वहीं, शिवपुरी में 4 इंच, नौगांव में सवा 4 इंच बारिश दर्ज की गई है।

मुरैना के पगारा डैम में डूबे 5 युवक, 2 के शव बरामद, एक की तलाश

मुरैना के डैम में डूबे युवक का रेस्क्यू करने जा रही टीम का रास्ता सड़क पर गिरे पेड़ और बिजली के खंभों ने रोक लिया है। सड़क से इन्हें हटाने का काम जारी है। इसके बाद ही टीम मौके की तरफ रवाना हो पाएगी। दरअसल, बुधवार दोपहर करीब 3 बजे 5 युवक जौरा के पगारा डैम में डूब गए थे। इनमें से 2 युवकों के शव निकाल लिए गए थे। दो युवकों को बचा लिया गया था। फिलहाल एक लापता है। ये सभी 5 युवक डैम के ऊपर बने एक मंदिर में पूजा करने गए थे। पूजा करने के बाद सभी डैम में नहाने लगे। इस दौरान पांचों तेज बहाव के बीच पहुंच गए और बह गए।

एमपी के डैम फुल, नदियां उफान पर

स्ट्रॉन्ग सिस्टम ने एक बार फिर प्रदेश के डैम और तालाबों को ओवरफ्लो कर दिया। बुधवार को भोपाल के कोलार, केरवा, भदभदा और कलियासोत डैम के गेट खुले रहे। नर्मदापुरम में तवा डैम के 13 में से 9 गेट, बरगी बांध के 21 में से 17, मोहनपुरा डैम के 10 गेट, हलाली डैम के 5 गेट, मड़ीखेड़ा डैम के 4 गेट, अटल सागर डैम के 2 गेट, तिघरा डैम के 7 गेट, बानसुजारा डैम के 12 गेट, जोहिला डैम के 2 गेट खुले रहे। दूसरी ओर, नर्मदा, चंबल, कालीसिंध, पार्वती, शिप्रा समेत कई नदियां उफान पर रहीं।

पन्ना में 12 से ज्यादा गांवों में बाढ़ के हालात

पन्ना में तीन दिन से भारी बारिश के चलते नदी-नालों में जलस्तर बढ़ गया है। 12 से ज्यादों में बाढ़ के हालात हैं।

रायसेन में बेतवा-नर्मदा में बाढ़, पुल पर 4 फीट ऊपर बह रहा पानी

रायसेन में बुधवार को 24 घंटे हुई तेज बारिश गुरुवार को थम चुकी है। हालांकि, नदी नाले उफान पर है। बेतवा और नर्मदा नदी में बाढ़ आ जाने से पुल पर करीब 4 फीट ऊपर पानी बह रहा है।

तेंदूपत्ता क्लेम मामले में सीबीआई ने 14 पर एफआईआर दर्ज की

सतना की 7 फर्मों ने जहां शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया, वहां बिजली कनेक्शन ही नहीं

भोपाल (नप्र)। सीबीआई जबलपुर ने सतना के एक वेयर हाउस में रखे गए तेंदूपत्ते का इंश्योरेंस क्लेम लेने में गड़बड़ी मामले में बीमा कंपनी के अफसरों समेत 14 के खिलाफ केस दर्ज किया है। एफआईआर 9 सितंबर को की गई है, जो अब सामने आई है।

आरोपियों ने बीमा कंपनी के अफसरों 5 के साथ साठगांठ कर, 7 फर्म की 14 पॉलिसी के मार्फत 4 करोड़ रुपए का पेमेंट लिया था। इसके लिए सतना के अहिरगांव में स्थित एक वेयर हाउस में 13-14 जून 2022 को शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि संबंधित वेयर हाउस में बिजली का कनेक्शन ही नहीं था। इस कारण शॉर्ट सर्किट से आग लगाने की बात झूठी है।

सीबीआई अफसरों ने बताया कि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के इंदौर स्थित

दफ्तर में पदस्थ रीजनल मैनेजर लाल सिंह कन्नोज ने 4 मई 2024 को बीमा कंपनी और सतना की 7 फर्म के द्वारा गलत तरीके से 4 करोड़ रुपए का क्लेम लिए जाने की शिकायत की थी। इसमें बताया गया था कि सतना के अहिरगांव में प्रदीप कुमार पांडे के वेयर हाउस में तेंदूपत्ता रखा गया था। यहां रखे तेदूपत्ते को वन विभाग के मार्फत सतना की ही पीसी ट्रेडिंग कंपनी को बेचा गया था। हकीकत में इंश्योरेंस कंपनी को वेयर हाउस में रखे गए तेंदूपत्ते को जलना बताया गया। तेंदूपत्ते के स्टॉक का बीमा कंपनी से क्लेम लेकर सतना में संचालित 7 फर्म के नाम पर 4 करोड़ रुपए का मुआवजा लिया गया। इस गड़बड़ी में फर्म संचालकों के साथ ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी के सतना डिवीजन के डेवलपमेंट ऑफिसर विजय मोंगिया और डिवीजनल मैनेजर आरसी परतेती से साठगांठ कर क्लेम दिया था। संबंधित कंपनियों को मुआवजा दिलाने में बीमा कंपनी के इंश्योरेंस एजेंट, कंपनी सर्वेयर और इनवेस्टिगेशन ऑफिसर दस्तावेजों में गड़बड़ी की थी।

इनके खिलाफ केस दर्ज

1. विजय कुमार मोंगिया डेवलपमेंट ऑफिसर, ओरिएंटल इंडिया इंश्योरेंस, डिवीजनल ऑफिस सतना।
2. आरसी परतेती, डिवीजनल मैनेजर, ओरियंटल इंडिया इंश्योरेंस, डिवीजनल ऑफिस सतना, निवासी छिंदवाड़ा।
3. श्रीचंद अग्रवाल, इंश्योरेंस एजेंट, निवासी सतना।
4. सुनील गर्ग इंश्योरेंस कंपनी सर्वेयर, निवासी इंदौर।
5. ब्रजेश कुमार यादव, इन्वेस्टिगेटर, निवासी सतना।
6. चंद्रबली दाहिया, प्रोपराइटर शान ट्रेडिंग कंपनी, सतना ।
7. सुनील कुमार पांडेय, प्रोपराइटर, एसके तेंदू लीव्स, सतना ।
8. अनिल कुमार पांडेय, प्रोपराइटर, मेसर्स अनिल कुमार पांडेय, निवासी सतना ।
9. साजन वर्मा, प्रोपराइटर, मेसर्स एसवी ट्रेडिंग कंपनी, सतना ।
10. प्रशांत पांडेय, प्रोपराइटर, मेसर्स विंध्याचल इंटरप्राइजेस, सतना ।
11. दीपक कुमार पांडेय, प्रोपराइटर,मेसर्स डीके ट्रेडिंग कंपनी, सतना ।
12. रामानंद द्विवेदी, प्रोपराइटर, मेसर्स आरएन ट्रेडिंग कंपनी, सतना।

बाप-बेटे के शव रेलवे ट्रैक पर मिले

सिवनी मालवा में कुछ देर बाद युवक की पत्नी की लाश फंदे पर लटकी मिली

सिवनी मालवा (नप्र)। नर्मदापुरम के सिवनी मालवा अंतर्गत आने वाले ग्राम रूपादेह निवासी एक ही परिवार के 3 लोगों के शव मिले हैं। संदीप लौवंशी (30) और उसके 5 साल के बेटे तक्षित लौवंशी की लाश रेलवे ट्रैक के पास ही बानापुरा में मिली है।

इसके कुछ देर बाद पुलिस को सूचना मिली कि संदीप लौवंशी की पत्नी का शव भी घर में फंदे पर लटका मिला है। फिलहाल तीनों की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस ने बाप-बेटे शवों का पंचनामा बनाकर पीएम के लिए सिवनी मालवा सामुदायिक केंद्र भेजा है। पिता-पुत्र के शव का पीएम चल रहा था। तभी सूचना आई की उपनगरी बानापुरा के नीचा बाजार मे घर पर संदीप की पत्नी पूजा लौवंशी का शव भी घर पर फंदे पर लटका मिला है।

जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक सोनाली चौधरी पुलिस बल के साथ युवक के निवास पर पहुंची। जहां फांसी पर लटके महिला के शव को उतारा गया। वही शव का पंचनामा बना पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।

उपनिरीक्षक सहजाद खान ने बताया कि सुबह रेलवे ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना मिली थी। जिस पर मौके पर पहुंचकर शवों को पीएम के लिए लाया गया।

वहीं उपनिरीक्षक सोनाली चौधरी ने बताया कि बनापुरा में एक महिला का शव फंदे पर लटका मिला है। इनके ही पति और बच्चे का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार 4 दिन पहले ही संदीप के बड़े पापा की मृत्यु गांव में ही हुई थी। इसके बाद कल ही युवक और उसकी पत्नी सिवनी मालवा वापस आए थे।